04 - गरीबी को केवल आर्थिक समस्या मान लेना गंभीर भूल

05 - राजस्थान का लोकोत्सव है गणगौर पर्व

A Daily News Magazine
भोपाल
शनिवार, 21 मार्च, 2026

06 - दूषित पानी का मामला, दानवाखेड़ा गांव भेजी प्रशासन ने बोरिंग मशीन...

07 - महिला सशक्तिकरण विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 197, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

आर्य भारत कब आए? वडनगर में मिले कंकालों से वैज्ञानिक खोज रहे डीएनए

आकांक्षा मिश्रा

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में डॉ. नीरज राय की ग्राउंड फ्लोर लैब किसी इंडियाना जोन्स के सपने जैसी लगती है: 4,000 साल पुराने सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष, उत्तर प्रदेश के 10 हजार साल पुराने मेसोलिथिक साइट्स और यहां तक कि 800 साल पुराने अहोम साम्राज्य के दफन स्थल-सब यहां जांच के लिए लाए गए हैं, लेकिन राय कोई पुरातत्वविद नहीं हैं। लखनऊ के बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पेलियोसाइंसेज (BSIP) में उनकी टीम भारत के ऐतिहासिक स्थलों से मिले मानव अवशेषों का और भी गहराई से–सचमुच और रूपक दोनों तरह से विश्लेषण करती है।

वे डीएनए के जरिए, एक-एक स्ट्रैंड से भारत का मानव इतिहास फिर से बना रहे हैं। यह दक्षिण एशिया की इकलौती लैब है जो प्राचीन हड्डियों से डीएनए निकालकर उसका अध्ययन कर सकती है और उनका मिशन है उपमहाद्वीप का इतिहास समझना। BSIP में साइंटिस्ट E और प्राचीन डीएनए लैब के लीड रिसर्चर राय ने कहा, 'भारत दुनिया के सबसे ज्यादा जेनेटिक विविधता वाले देशों में से एक है, यह बात काफी समय से पता है। लेकिन यह विविधता कहां से और कैसे आई?'

लखनऊ की 80 साल पुरानी प्राचीन डीएनए लैब भारत के प्राचीन जीनोम अध्ययन के बढ़ते क्षेत्र में अहम योगदान दे रही है। BSIP के वैज्ञानिकों का काम गुजरात के वडनगर में मिले 2 हजार साल पुराने कंकालों में ताजिकिस्तान की वंशावली खोजने से लेकर लद्दाख की आज की आबादी के तिब्बती, दक्षिण एशियाई और मध्य एशियाई मूल को समझाने तक फैला हुआ है। उनके एडवांस जीनोम सीक्वेंसिंग काम ने भारत की राज्य सरकारों का भी ध्यान खींचा है और पिछले दो सालों में BSIP ने असम, महाराष्ट्र और गुजरात के साथ समझौते किए हैं ताकि राज्यों के कुछ अहम पुरातात्विक स्थलों पर और रिसर्च की जा सके। असम के अहोम राजाओं के जेनेटिक इतिहास से लेकर यूपी के प्रतापगढ़ के निओलिथिक बस्तियों तक, ये एमओयू राज्यों के लिए जेनेटिक पहचान और निरंतरता खोजने जैसा है। BSIP के वैज्ञानिकों का काम गुजरात के वडनगर में मिले 2 हजार साल पुराने कंकालों में इस लैब ने कश्मीर पर पहली बार प्राचीन जीनोमिक स्टडी जैसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिसमें श्रीनगर के पास बुर्जहोम से मिले 5 हजार साल पुराने हड्डियों का इस्तेमाल किया गया और यह काम आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के साथ मिलकर किया गया, लेकिन राय का बड़ा प्रोजेक्ट, जो भारत के अलग-अलग समय और जगहों पर उनके डीएनए रिसर्च का नतीजा है, एक सवाल का जवाब ढूंढना चाहता है–क्या आर्य माइग्रेशन थ्योरी सही है?

डीएनए के जरिए वे समझना चाहते हैं कि सेंट्रल स्टेपी के चरवाहे, जिन्हें आम भाषा में आर्य कहा जाता है, आखिर कब भारत आए और उनका भारतीय समाज पर क्या असर पड़ा? पिछले दशक में यह सवाल राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है, लेकिन राय कहते हैं कि यह जानना जरूरी है कि आज के भारतीय किन-किन जीन से बने हैं। राय पिछले करीब 15 साल से इस खोज में लगे हैं। BSIP में यह प्रोजेक्ट 2024 में शुरू हुआ, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के साथ मिलकर, जिसके पास हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और अन्य निओलिथिक साइट्स से मिले सभी कंकाल सुरक्षित हैं। दुनिया के आर्कियोजेनेटिक विशेषज्ञ, जैसे कि यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले की पॉपुलेशन जेनेटिसिस्ट प्रिया मूरजानी ने कहा, 'यूरोप और अफ्रीका के मुकाबले भारत जीनोमिक स्टडी में कम प्रतिनिधित्व वाला रहा है। प्राचीन डीएनए ने मानव इतिहास को समझने का तरीका बदल दिया है। भारत में यह मानव अनुकूलन, बीमारियों और सहनशीलता को समझने में मदद कर सकता है।' पिछले साल अक्टूबर में, राय की लैब ने कश्मीर पर पहली बार प्राचीन जीनोमिक स्टडी प्रकाशित की, जिसमें आज की आबादी को 5 हजार साल पहले घाटी में रहने वाले निओलिथिक लोगों से जोड़ा गया।

रिसर्चर अपर्णा द्विवेदी के अनुसार हमने पाया कि आज के कश्मीरी लोगों में भी वैसा ही जेनेटिक मैटेरियल है, यानी यह जगह हजारों सालों से लगातार बसी हुई है। यह पहली बार ऐसा सबूत मिला है। द्विवेदी की स्टडी ने यह भी दिखाया कि श्रीनगर के पास बुर्जहोम साइट उसी समय की है जब परिपक्व हड़प्पा काल था और उनके बीच संपर्क और व्यापार भी था, लेकिन यह सिंधु घाटी सभ्यता का हिस्सा नहीं था। BSIP के डायरेक्टर मुकेश ठक्कर ने कहा, 'हम यहां ज्यादातर जो फॉसिल्स स्टडी करते हैं, वे लाखों साल पुराने होते हैं।' यही हमारी जियोलॉजिकल टाइमलाइन है।'

लखनऊ स्थित यह संस्थान सिर्फ अपने नाम से ही नहीं, बल्कि बहुत कुछ पेलियोबॉटनिस्ट डॉ. बीरबल साहनी से जुड़ा है, जिन्होंने अपनी निजी फॉसिल और पेलियोबॉटनी की किताबों के कलेक्शन से BSIP की स्थापना की थी।

राय ने कहा, 'DNA निकालने के लिए हमें सैंपल को बारीक पाउडर में पीसना पड़ता है और फिर केमिकल्स से ट्रीट करना होता है। जेनेटिक मैटेरियल निकालने की उम्मीद में हम सैंपल के कान और दांत को टारगेट करते हैं। सही रिजल्ट के लिए यह प्रक्रिया कई बार दोहरानी भी पड़ती है। आज के भारतीयों का जेनेटिक ढांचा, कुछ स्टडी के आधार पर, जो अमेरिकी वैज्ञानिकों जैसे प्रिया मूरजानी ने की हैं–सेंट्रल स्टेपी जीन, ईरानी हंटर-गैदरर जीन और प्राचीन दक्षिण भारतीय जीन का मिश्रण है, लेकिन यह अभी साफ नहीं है कि ये अलग-अलग जेनेटिक समूह कब और कैसे आए, आपस में मिले और आज के भारतीय बने। बुर्जहोम इस बड़े जेनेटिक इतिहास की पहेली का एक हिस्सा है। उसी समय सिंधु घाटी सभ्यता भी थी, और उससे पहले 7 हजार साल पुरानी मेहरगढ़ साइट और 12 हजार साल पुराने यूपी के सराय नाहर राय के हंटर-गैदरर, जहां भारत के सबसे पुराने मानव कंकाल मिले हैं।'

भारत में मानव आबादी की टाइमलाइन मौजूद है, लेकिन यह अभी भी टुकड़ों में बंटी हुई है। राय का काम इन सबको जोड़ने की कोशिश करता है। इस समय लैब सात अलग-अलग जगहों से मिले DNA सैंपल का अध्ययन कर रही है। जैसे, क्या सिंधु घाटी के लोगों का सिनौली या वडनगर से कोई संबंध था? सिंधु घाटी के लोग कौन थे? उत्तर और दक्षिण भारतीयों में जेनेटिक अंतर क्या है? ऋग्वेद किसने लिखा? ये सवाल पहले सिर्फ अनुमान थे, लेकिन जीनोम स्टडी इनके पक्के जवाब दे सकती है।

जेनेटिक स्टडी को राजनीति से जोड़ना नया नहीं है। 'शुद्धता' और लगातार एक जैसी भारतीय विरासत की बातें चर्चा में रहती हैं, जबकि सबूत बताते हैं कि भारत और दुनिया का इतिहास लोगों के आने-जाने और संस्कृतियों के मिलन का रहा है। राय को पता है कि उनका काम राजनीतिक रूप से संवेदनशील है, लेकिन उनकी टीम लगातार सिनौली और वडनगर के प्राचीन डीएनए को समझने में लगी है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

हूँ तो मगर मेरे इस होने में
एक अलगाव है दुनिया से

हूँ तो बहुत ज्यादा अपने लिए
अपनी पत्नी, बच्चों के लिए
और बहुत कम दूसरों के लिए
बहुत सारे लोगों के लिए
बिलकुल नहीं

हूँ मगर 'हां' बहुत कम है
'नहीं' बहुत ज्यादा है
शायद नहीं हूँ अन्यों के लिए

हूँ तो अहंकार से भरा हुआ
क्रोध से लबालब
लोभ, मोह से भरपूर
प्रेम है मगर प्रकट नही होता
उनके लिए, जिन्हें प्रेम चाहिए

इस हूँ से मुक्ति चाहता हूँ
जैसे नदियों ने पाया है
पहाड़ों ने, झीलों ने पाया है

वहां कहां है 'नहीं' किसी के लिए
वहां कहां है प्रेम की कमी

वे हैं बहते हुए, लहराते हुए
हर बीज को उगने की जगह देते हुए

होना चाहता हूँ इसी तरह
कि ले जाय कोई मेरा सब कुछ
तो न बोलूं
काट ले जाय मेरी बांह
तो भी मुस्कराता रहूं
उठा ले जाय कहीं
कहीं रख दे
तो फर्क न पड़े

होना चाहता हूँ इस तरह
जैसे होऊं ही नहीं अपने लिए
हो जाऊं सबके लिए।

- सुभाष राय

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी

...लेकिन हालात चिंताजनक

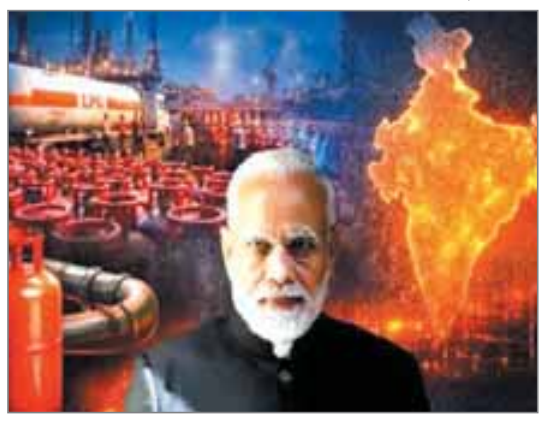

- सरकार ने कहा-देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है लेकिन संकट बरकरार
- बताया-हर दिन 55 लाख सिलेंडर की मांग, 7500 कंज्यूमर पीएनजी पर शिफ्ट हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलपीजी संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई। वहीं, करीब 7500 उपभोक्ता एलपीजी से पीएनजी में शिफ्ट हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से ये बातें केंद्रीय मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान से 913 भारतीय आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते वापस लौट रहे हैं।

- **पीएम मोदी ने 5 देशों के नेताओं से की बात** – विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इस दौरान वेस्ट एशिया में चल रहे संघर्ष पर भारत का पक्ष रखा। सभी नेताओं ने स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में सुरक्षित आवाजाही के समर्थन की बात दोहराई।

सप्लाई संकट की वजह होर्मुज स्ट्रेट का लगभग बंद होना

अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर संयुक्त हमला किया, जिसमें कई सैन्य और परमाणु ठिकाने निशाना बने। इस ऑपरेशन में सुप्रीम लीडर अली खामेनेई समेत कई अधिकारी मारे गए। अमेरिका ने इसे ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम दिया। इस युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव और आपूर्ति बाधित हुई। यहां से भारत का 80–85फीसदी एलपीजी आयात होता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है और 60 फीसदी से ज्यादा एलपीजी बाहर से आती है। इसी के कारण भारत में एलपीजी किल्लत जैसे हालत बने लेकिन सरकार ने अफवाहों से बचने की अपील की।

युद्ध स्वार्थी हितों और वर्चस्व की चाहत का है नतीजा:भागवत

- संघ चीफ बोले-दुनिया के कई देशों को भरोसा-ईरान-इजराइल जंग भारत ही खत्म करा सकता है

नागपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की चाहत है। स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म को मानने से ही हासिल की जा सकती है। भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- पिछले 2,000 साल से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई प्रयोग किए हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली है। संघ चीफ ने यह भी कहा कि भारत का स्वभाव ही ऐसा है जो सद्भाव में विश्वास रखता है। यही कारण है कि पूरी दुनिया से यह आवाज उठ रही है कि भारत ही ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करा सकता है।

- **जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच–नीच की भावनाएं आज भी मौजूद**– धार्मिक असहिष्णुता, जबरन धर्म परिवर्तन और ऊंच–नीच की भावनाएं आज भी मौजूद हैं। भारत का प्राचीन ज्ञान हमें सिखाता है कि सभी आपस में जुड़े हुए हैं और एक हैं। धर्म केवल शास्त्रों तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोगों के व्यवहार में भी झलकना चाहिए। अनुशासन और नैतिक मूल्यों के पालन के लिए लगातार अभ्यास जरूरी है और इसमें अक्सर निजी परेशानियां भी आती हैं। भागवत ने संघ को 86 संभागों में बांटने की बात कही, लेकिन तरीका नहीं बदलेगा। नागपुर में एक मराठी अखबार के 100 साल पूरे होने पर गुरुवार को भागवत ने बताया कि स्वयंसेवकों को मजबूत बनाने और काम बेहतर करने के लिए संगठन में बदलाव किए गए हैं।

मातृभूमि की रक्षा की लिए रानी अवंतीबाई का बलिदान सदियों तक रहेगा अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री

- रानी अवंतीबाई की स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रूपए से निर्मित संग्रहालय का किया लोकार्पण
- सागर में रानी अवंतीबाई के नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना कर हमने दी है वीरांगना को श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश वीरांगनाओं की धरती है। रानी दुर्गावती से लेकर रानी कमलापति और रानी अवंतीबाई तक हमारी लोकनायिकाओं और वीरांगनाओं ने विदेशी आक्रांताओं के छक्के छुड़ा दिए थे। मातृभूमि की रक्षा के लिए रानी अवंतीबाई ने जो बलिदान दिया, वह सदियों-सदियों तक अविस्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस के अवसर पर डिंडोरी जिले में आयोजित कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी अवंतीबाई के अटल साहस और अमर त्याग को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए उनकी स्मृति में डिंडोरी में एक करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित भव्य संग्रहालय का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संग्रहालय हमें रानी अवंतीबाई के बल और बलिदान की याद दिलाता रहेगा। इस संग्रहालय में उनकी फोटो गैलरी और उनके शस्त्र हमारी आने वाली पीढ़ियों को युगों-युगों तक प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम विरासत से विकास की ओर बढ़ते हुए अपने नायकों के पराक्रम को भी याद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रानी अवंतीबाई का जन्म तत्कालीन सिओनी (वर्तमान सिवनी) जिले के मनकेहणी गांव में हुआ था। कहते हैं कि रणभूमि में उनकी तलवार जब चलती थी, तो अंग्रेजों के हौसले पस्त हो जाते थे। सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में डिंडोरी में रानी अवंतीबाई की भूमिका ठीक वैसी ही थी, जैसी झांसी में रानी लक्ष्मीबाई की। जब अंग्रेजों ने

राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह को तोप से उड़ाकर कायरता दिखाई, तब इस पूरे क्षेत्र में क्रांति की मशाल रानी अवंती बाई ने अपने हाथ में ली थी। सन् 1857 की क्रांति में रानी अवंतीबाई ने रेवांचल में मुक्ति आंदोलन में बड़ी भूमिका निभाई। इसके बाद सन् 1858 में जब अंग्रेजों ने एक विशाल सेना के साथ उन पर हमला किया, तब भी रानी ने झुकना स्वीकार नहीं किया। अपने मान-सम्मान और देश की अस्मिता के लिए उन्होंने लड़ते-लड़ते, हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने रानी अवंती बाई की शहादत को अविस्मरणीय बनाए रखने के लिए सागर में उनके नाम पर विश्वविद्यालय की स्थापना कर श्रद्धांजलि दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिंडोरी जिला उनके हृदय के करीब है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि एनीमिया मुक्त भारत के संकल्प के साथ जिला प्रशासन डिंडोरी ने एक ही दिन में 50 हजार से ज्यादा महिलाओं और बेटियों की स्वास्थ्य जांच की। इस उपलब्धि के लिए डिंडोरी का नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स' और 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हुआ है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। 14 से 15 साल की बेटियों को टीकाकरण (एचपीवी अभियान) में भी डिंडोरी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियों के सपनों को पंख देने के लिए डिंडोरी जिले में 'पंखिनी अभियान' चलाया जा रहा है। इसमें बेटियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जा रही है।

प्रेमानंद महाराज के दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

वृंदावन में राधे–राधे!

- गुलाबी साड़ी में नजर आया सादगी भरा अंदाज, परिवार रहा साथ

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार सुबह संत प्रेमानंद से मुलाकात कर उनसे आध्यात्मिक चर्चा की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति 19 मार्च से उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। गुरुवार को अयोध्या में दर्शन-पूजन के बाद वह मथुरा पहुंचीं जहां उन्होंने मंदिरों में पूजा-अर्चना की और कई अन्य कार्यक्रमों में भाग लिया। शुक्रवार सुबह उन्होंने आध्यात्मिक कार्यक्रमों से दिन की शुरुआत की। राष्ट्रपति राधा केली कुंज स्थित संत

प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं, जहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने। यह सप्ताह इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरुवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था। आश्रम में राष्ट्रपति ने संत से आध्यात्मिक चर्चा की और उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने प्रसन्न मुद्रा में 'राधे-राधे' कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज को जन्मदिन की बधाई भी दी। राष्ट्रपति मुर्मू और प्रेमानंद महाराज जी के बीच एकांत में चर्चा भी हुई। इस दौरान खासतौर पर समाज सेवा, जनकल्याण जैसे जरूरी मुद्दों पर बातचीत हुई।

तृतीय मां चंद्रघंटा

देवी मां के तृतीय ईश्वरीय स्वरुप का नाम मां चन्द्रघण्टा है। 'चंद्र' हमारी बदलती हुई भावनाओं, विचारों का प्रतीक है (ठीक वैसे ही जैसे चन्द्रमा घटता व बढ़ता रहता है)। 'घंटा' का अर्थ है जैसे मंदिर के घण्टे–घड़ियाल।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 21 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

एयर इंडिया ने दिल्ली से कनाडा के लिए भेजा 'गलत' बोइंग

● बी 777 नौ घंटे हवा में रहने के बाद चीन से लौटा वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया के एक विमान को वैंकूवर पहुंचने से पहले ही लगभग नौ घंटे की उड़ान के बाद दिल्ली लौटना पड़ा। अगर आप सोच रहे हैं कि उसे ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से लौटना पड़ा तो आप गलत हैं। वह पूर्वी रास्ते

से जा रहा था, न कि खाड़ी युद्ध क्षेत्र वाले। उसके लौटने का कारण थोड़ा अजीब है। जिस प्लेन को कनाडा में एंट्री की मंजूरी नहीं थी, एयर इंडिया ने उस विमान को रवाना किया था। विमान यात्रियों को लेकर उड़ा, लेकिन कनाडा पहुंचने से पहले ही उसे वापस लौटना पड़ा। दरअसल, एयर इंडिया के पास कनाडा के लिए अपने बोइंग 777-300 एक्सटेंडेड रेंज बेड़े को संचालित करने की मंजूरी है, न कि बी 777-200 लॉन्ग रेंज को।

सरकार ने 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक किए

● इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया

जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर गेम्स), पी-टू-पी बेटिंग एक्सचेंज, सट्टा/मटका नेटवर्क और रियल मनी कार्ड ऐप्स शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह के प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई में तेजी आई है।

छत्तीसगढ़ में जबरन धर्मांतरण पर अब आजीवन कारावास

● विधेयक हो गया है पास, सदन में गूंजे 'जय श्रीराम' के नारे

रायपुर (एजेंसी)। विधानसभा ने राज्य में अवैध मतांतरण की चुनौतियों से निपटने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक-2026 को गुरुवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके तहत अब बलपूर्वक,

प्रलोभन या धोखाधड़ी से कराए जाने वाले सामूहिक मतांतरण के दोषियों को आजीवन कारावास तक की कठोर सजा भुगतनी होगी। इस नए कानून में विशेष रूप से महिलाओं, नाबालिगों, अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों के साथ होने वाले अवैध मतांतरण के मामलों में 20 वर्ष तक की कैद का सख्त प्रविधान किया गया है। साथ ही डिजिटल माध्यमों से दिए जाने वाले प्रलोभन को भी अपराध की श्रेणी में शामिल कर सभी संबंधित अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती बनाया गया है। छह अध्यायों और 31 बिंदुओं में विस्तृत इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें पैतृक धर्म में वापसी को मतांतरण के दायरे से बाहर रखा गया है और इन गंभीर मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए प्रत्येक जिले में विशेष सत्र न्यायालय गठित करने का निर्णय लिया है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों को दी ईद की शुभकामनाएँ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रदेशवासियों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ईद का पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है।

भारत आएंगे बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान

● यूनुस राज खत्म होते ही सुधरने लगे संबंध, अहम होगा दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का शासन खत्म होने ही भारत बांग्लादेश के रिश्ते पटरी पर लौटने लगे हैं। इसकी शुरुआत बांग्लादेश के विदेश मंत्री की भारत यात्रा से हो सकती है। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अगले महीने भारतीय राजधानी की एक संक्षिप्त यात्रा पर आ सकते हैं। यह इसीलिए अहम है क्योंकि ढाका में तारिक रहमान की सरकार बनने के बाद बांग्लादेशी विदेश मंत्री की यह पहली विदेश यात्रा होगी। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है जब दोनों ही देश संबंधों में आए भारी तनाव के बाद रिश्तों को दोबारा मजबूत बनाने की कोशिशें कर रही हैं।

सूत्रों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि रहमान 8 अप्रैल को मॉरीशस में होने वाले हिंद महासागर सम्मेलन में जाते समय नई दिल्ली में रुक सकते हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि रहमान यूनुस सरकार का भी हिस्सा रह चुके हैं और वे तब पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इसके बाद प्रधानमंत्री तारिक रहमान के मंत्रिमंडल में उनका नाम काफी चौंकाने वाला कदम था। इससे पहले भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने पिछले महीने ढाका में रहमान से मुलाकात की थी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से उन्हें जल्द से जल्द भारत आने का निमंत्रण दिया था।

लिस्ट में बीवी-बच्चों के नाम देख पुलिस भी दंग

जबलपुर में 6 सरकारी बाबुओं ने 7 साल तक उड़ाए करोड़ों रुपए

जबलपुर (नप्र)। पनागर के विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पिछले 7 सालों से कलम के जादूगरों ने ऐसा खेल खेला कि सरकारी खजाने से सीधे 1 करोड़ 11 लाख 45 हजार 914 रुपए गायब कर दिए। यह कोई छोटी-मोटी चोरी नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर में हेरफेर कर की गई सुनियोजित डकैती है। मामला तब खुला जब भोपाल मुख्यालय से आई डाटा रिपोर्ट ने गड़बड़ी के संकेत दिए, जिसके बाद जबलपुर कलेक्टर ने 9 सदस्यीय स्पेशल कमेटी बैठा दी।

साहबों ने परिवार को बनाया बिजनेसमैन- जांच में जो सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ, वो ये कि इन सरकारी कर्मचारियों ने किसी अनजान को नहीं, बल्कि अपने ही घर वालों को फायदा पहुंचाया। ट्रेजरी के सॉफ्टवेयर में फर्जी वेंडर बनाए गए और बैंक अकाउंट की डिटेल्स बदल दी गईं। विजय कुमार भलावी नाम के कर्मचारी ने तो हद ही कर दी। उसने अपनी

पत्नी, तीन बेटियों और अन्य रिश्तेदारों के खातों में सरकारी राशि ट्रांसफर करवा दी।

फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड नेटवर्क- इस पूरे घोटाले में 6 सरकारी कर्मचारी और 8 उनके मददगार शामिल थे। इनमें से कुछ तो रिटायर होकर घर भी बैठ चुके थे, उन्हें लगा था कि फाइलें दब गई हैं, लेकिन कानून के हाथ उन तक पहुंच ही गए।

जांच कमेटी ने हर एक ट्रांजैक्शन का बारीकी से मिलान किया है। यह शासकीय राशि का सीधा गबन है, जिसमें सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई। सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सॉफ्टवेयर में सेंधमारी का तरीका- आरोपियों ने ट्रेजरी के ऑनलाइन सिस्टम में सेंध लगाने के लिए फेक आईडी और फेक वेंडर का सहारा लिया। जो पैसा स्कूलों के विकास या शिक्षकों के कल्याण के लिए था, उसे फर्जी बिलों के जरिए निजी बैंक खातों में डाल दिया गया। इसमें एक पूर्व अतिथि शिक्षक और कुछ अन्य बाहरी लोगों के खातों का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया।

रूसी इनपुट पर एनआईए ने पकड़े थे अमेरिकी और यूक्रेनी नागरिक

● म्यांमार सीमा पर हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दी, ग्रुप में 14-15 लोग, अन्य की तलाश जारी

आईजोल (एजेंसी)। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने पूर्वोत्तर (मिजोरम सीमा) में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने रूसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर अमेरिकी और यूक्रेनी नागरिकों को गिरफ्तार किया था।

पकड़े गए लोगों पर भारत के खिलाफ आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने का आरोप है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गिरोह म्यांमार के हथियारबंद गुटों को ट्रेनिंग दे रहे था। टूरिस्ट वीजा की आड़ में म्यांमार के विद्रोही गुटों को ड्रोन और आधुनिक

युद्ध तकनीक की ट्रेनिंग दी जा रही थी। ये लोग टूरिस्ट वीजा पर भारत आए थे, लेकिन मिजोरम में बिना अनुमति अवैध रूट से पहुंचे और यहां से पड़ोसी देश म्यांमार की सीमा में घुस गए। सूत्रों के अनुसार 8 अन्य यूक्रेनियन की तलाश जारी है। कुल 14-15 लोगों का ग्रुप था। ये लोग यूरोप से बड़े पैमाने पर ड्रोन पहुंचा रहे थे, जो संभवतः भारत से जुड़े उग्रवादी समूहों तक पहुंच सकते थे। आरोपी कई बार ट्रेनिंग देने आ चुके हैं। इस बार वे गुवाहाटी पहुंचे।

● पूर्वोत्तर में ड्रोन वारफेयर का डर- म्यांमार गृहयुद्ध में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ा है। सूत्रों का मानना है कि ये ड्रोन अब भारत के उग्रवादियों तक पहुंच सकते हैं। इससे पूर्वोत्तर में ड्रोन अटैक का खतरा बढ़ेगा। यहां म्यांमार में चल रहे गृहयुद्ध और जातीय संघर्ष के कारण पहले भी विदेशी मर्सिनरी या ट्रेनर्स के आने की खबरें आ चुकी हैं। मिजोरम-म्यांमार सीमा पर लंबे समय से अस्थिरता बनी है।

तमिलनाडु के सलेम में भयानक सड़क हादसा

● 2 बच्चों समेत 8 लोगों की मौत, सभी एक ही परिवार के सदस्य

सलेम (एजेंसी)। तमिलनाडु के सलेम में बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ है। सलेम के पास उथमासोलपुरम में हुई दुर्घटना में दो बच्चों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। ईरोड से सलेम जा रही एक तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की एक बस कथित तौर पर चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और विपरीत लेन में चली गई।

इसके बाद अनियंत्रित बस सूलाईमेडु के पास एक मिनी मालवाहक वाहन से टकरा गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इनमें से कुछ ने बाद में गंभीर चोटों के कारण दम तोड़ दिया। इससे मरने वालों की कुल संख्या 8 हो गई।

ईरान युद्ध के बीच 2.35 रुपए महंगा हुआ प्रीमियम पेट्रोल

इंडस्ट्रियल डीजल में 22 रुपए की बढ़ोतरी, दिखने लगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखने लगा है। एलपीजी के बाद अब देश में पेट्रोल की कीमत में भी बढ़ोतरी हो गई है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमत में 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। यह बढ़ोतरी आज से लागू हो गई है।

बीपीसीएल ने स्पीड, एचपीसीएल ने पावर और आईओसीएल ने एक्सपी95 में 2.09 रुपये से लेकर 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि फिलहाल रेगुलर पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बीच इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में 22 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसे 87.67 प्रति लीटर से बढ़ाकर 109.59 प्रति लीटर कर दिया है। माना जा रहा है कि इस

बढ़ोतरी से औद्योगिक सेक्टर, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट कॉस्ट पर असर पड़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने की आशंका है।

बिहार के तालाब से प्रकट हुए काले श्रीकृष्ण!

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से सटे मसौढ़ी में आस्था और रहस्य का एक अनोखा संगम देखने को मिल रहा। वार्ड संख्या 32 स्थित राजा बिगहा में गुरुवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब चैती छठ की तैयारियों के लिए तालाब की खुदाई कर रहे ग्रामीणों को जमीन के भीतर से भगवान श्रीकृष्ण की एक अत्यंत प्राचीन और भव्य काली प्रतिमा प्राप्त हुई। मूर्ति के मिलते ही पूरे इलाके में जयकारे गूंजने लगे और देखते ही देखते वहां श्रद्धालुओं का तांता लग गया। हालांकि, इस खुशी के बीच छाता गांव के ठाकुरबाड़ी मंदिर से हुई करोड़ों की मूर्तियों की चोरी का गम भी क्षेत्र में बरकरार है, जिसका सुराग नहीं लगा पाई है।

एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने 1700 देंगे

● बंगाल के लोगों लिए ममता का ऐलान, बाकी को 1500 मिलेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि 500-500 रुपए बढ़ाने का वादा किया है। मेनिफेस्टो को मुताबिक, अगर ममता की सरकार बनी तो बंगाल में जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1500 मिलेंगे। अभी बंगाल सरकार जनरल कैटेगरी की महिलाओं को 1000 हर महीने देती है। वहीं एससी/एसटी

महिलाओं को 1700 प्रति माह दिया जाएगा। अभी एससी/एसटी महिलाओं को 1200 रुपए मिलते हैं।

ममता बनर्जी की 10 बड़ी प्रतिज्ञाएं- टीएमसी ने महिलाओं को मिलने वाली लक्ष्मी भंडार योजना में 500 रुपये की बढ़ोतरी का वादा किया है। पहले इस योजना में जनरल कैटिगरी की महिलाओं को 1000 रुपये और एससी एसटी को 1200 रुपये हर महीने मिलते हैं। अब 1500 और 1700 रुपये देने की घोषणा की गई है। बेरोजगार युवाओं को 1,500 प्रति माह मिलेंगे।

तेल, एलपीजी, फर्टिलाइजर... | भर-भरकर आने लगे जहाज, जल्द दूर होगा पश्चिम एशिया संकट

होर्मुज में फंसा भारत तो दुनिया के चार दोस्त बने 'तारणहार'

ब्यूनस आयर्स/मास्को/वॉशिंगटन (एजेंसी)। होर्मुज संकट के बीच भारत ने पश्चिम एशिया में ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने कहा है कि यह 'अस्वीकार्य' है। भारत ने कहा है कि इस हमले की वजह से भारत में एलएनजी की भारी कमी हो गई है। इसके अलावा एलपीजी गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से भारतीय जनता बुरी तरह से परेशान है। हाल ही में ईरान ने कतर पर बड़ा हमला किया है जिसमें उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। यही वजह है कि भारत अपनी ऊर्जा

जरूरतों को पूरा करने के लिए दुनिया के कई देशों से मदद लेनी शुरू कर दी है। इस महासंकट की घड़ी में दुनिया के 4 देश भारत की मदद के लिए आगे आए हैं। इस मुश्किल वक्त में रूस, अर्जेन्टीना, जार्डन व अमरीका भारत की मदद के लिए आगे आए हैं।

मुस्लिम देश जॉर्डन ने फर्टिलाइजर में बढ़ाया हाथ

ईरान के हमलों को विफल करने में जुटा खाड़ी का प्रभावशाली मुस्लिम देश जॉर्डन अब भारत की मदद कर रहा है। जॉर्डन भारत को फर्टिलाइजर दे रहा है। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग अब्दुल्लाह 2 से गुरुवार को बात की थी। पीएम मोदी ने जॉर्डन के किंग से पश्चिम एशिया के ऊर्जा आधारभूत ढांचे पर हमले के बारे में विचार विमर्श किया था। पीएम मोदी ने कहा कि यह हमला निंदनीय है और कहा कि इससे तनाव और भड़केगा। पीएम मोदी ने कहा था कि ऊर्जा बिना किसी रुकावट के आनी चाहिए।

गुजरात में गैस की किल्लत प्रवासी मजदूर गांव लौट रहे

● लोग बोले-सिलेंडर 5 हजार में मिल रहा, फ्लैट में चूल्हा नहीं जला सकते

सूरत (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइन की ईरान से जंग जारी है। इसका असर भारत पर भी नजर आ रहा है। एलपीजी गैस कि कमी से परेशान होकर गुजरात से प्रवासी मजदूरों और गुजरात में रेस्टोरेंट-ढाबा और दूसरे खाने-पीने के स्टॉल चलाने वाले अपने घर वापस लौटने लगे हैं। इनके अलावा गुजरात में रहने वाले यूपी-बिहार के हजारों स्टूडेंट्स को अपने घर लौट रहे हैं। सूरत में राज्य के अन्य रेलवे स्टेशन पर प्रवासियों की भीड़ नजर आ रही है। लोगों ने बताया कि छोटे सिलेंडर के लिए पहले गैस 100 किलो मिलती थी, लेकिन अब 300-400 किलो मिल रही है। घरेलू सिलेंडर के रेट 5 हजार पहुंच गए हैं। फ्लैट में चूल्हा जलाने पर मनाही है। ऐसे में हम लोगों के सामने भूखा मरने की नौबत आ गई है। टेक्सटाइल और डायमंड हब होने के चलते सूरत में लाखों की संख्या में श्रमिक रहते हैं।

लेक व्यू से बेदखल, सैर सपाटा में जगह नहीं

कबाड़ होने की कगार पर मशहूर शान-ए-भोपाल का रेल रेस्टोरेंट

भोपाल (नप्र)। राजधानी की विरासत और टूरिज्म का एक बड़ा अध्याय शान-ए-भोपाल फिलहाल अधर में लटका है। साल 2007 में जब इस पुराने ब्रॉड-गेज कोच को रेस्टोरेंट में बदला गया था, तब यह देश के चुनिंदा और अनोखे प्रोजेक्ट्स में से एक था। लेकिन आज, होटल लेक व्यू अशोक के निजी मैनेजमेंट के पास जाने के बाद इस कोच का भविष्य कबाड़ होने की कगार में फंस गया है।

क्यों पैदा हुआ संकट?- शान-ए-भोपाल सालों से होटल लेक व्यू के परिसर में सैलानियों की जान बना हुआ था। निजीकरण के बाद अब वहां इसे रखना मुमकिन नहीं है। एमबीटी इसे शिफ्ट करने के लिए जगह तलाश रही है, लेकिन अब तक कोई भी स्टेशन फाइनल नहीं हो पाया है।

सैर सपाटा का प्लान क्यों हुआ फेल?- पहले चर्चा थी कि इस कोच को मशहूर टूरिस्ट स्पॉट सैर सपाटा ले जाया जाएगा। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि वह जमीन खुद अतिक्रमण के घेरे में है, जिससे यह प्लान पूरी तरह डिरेल हो चुका है। अब विकल्प के तौर पर केरवा डैम या नए टूरिज्म सर्किट की बातें हो रही हैं, पर धरातल पर कुछ भी नहीं है।

रेस्टोरेंट नहीं, इतिहास का हिस्सा है- रवि मेहता, जो इस रेल कोच के नियमित ग्राहक हैं, उनका कहना है कि उस कोच में बैठना समय के पीछे जाने जैसा था। अगर इसे जल्द शिफ्ट नहीं किया गया, तो यह गुमनामी में खो जाएगा। जानकारों का कहना है कि शान-ए-भोपाल को खोना भोपाल के हेरिटेज टूरिज्म के लिए एक बड़ा झटका होगा। जब इस बारे में जीएम (ऑपरेशन्स) अजय श्रीवास्तव से बात की गई, तो उन्होंने कंपनी सेक्रेटरी संदेश यशलाहा का नाम आगे बढ़ा दिया। यशलाहा का कहना है कि वे फिलहाल जगह की व्यावहारिकता चेक कर रहे हैं।

2007 में हुआ था शुरू- 2007 में जब इसे शुरू किया गया, तब यह भारत के शुरुआती रेल कोच रेस्टोरेंट्स में से एक था। इसे बड़े तालाब (अपर लेक) के शांत किनारे पर बड़ी खूबसूरती से सजाया गया था। अब निजीकरण की आंधी में यह रोलिंग डाइनिंग आइकॉन अपनी अगली मंजिल तलाश रहा है।

दूजे के सुख में भी स्व का आनंद ढूंढना है भारतीय संस्कृति की चेतना का आधार

आनंद एक ऐसी सुखानुभूति है, जो अर्थ क्रय से नहीं, अंतस से होती है अनुभूति : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय

- **मुख्यमंत्री ने आनंदोत्सव के विजेताओं को किया पुरस्कृत**

भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में श्री मिलिंद कुमार को प्रथम, श्री शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया। वीडियोग्राफी विधा में श्री सैयद अफजान को प्रथम, श्री राजा खान को द्वितीय एवं श्री जीवन रजक को तृतीय पुरस्कार दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम दूसरों के सुख में भी अपने आनंद की अनुभूति प्राप्त कर लें, यही सनातन संस्कृति की चेतना का आधार है। हम सभी को अपने कार्यों को पूरे आनंद, उत्साह और दक्षता के साथ संपादित करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन में आनंद के आयाम, हमारे सुख और दुःख के बीच के अंतर को समझने से पता चलते हैं। आदिकाल से भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम की रही है, जिसमें परिवार की धारणा को विशेष महत्व दिया गया है। वर्ष 1956 के विश्व हिंदू सम्मेलन में मार्गेट थेचर ने भारत और इंग्लैंड की संस्कृति का मूल अंतर सबको समझाया था। उन्होंने कहा था कि भारतीय परिवारों की व्यवस्था में अगर कोई एक सदस्य भी कमाई करता है तो पूरा परिवार आनंद और सम्मान के साथ जीवन जीता है। यह दुनिया में सिर्फ भारत में ही संभव है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण, माता देवकी के जीवन में भारी कष्टों से निवृत्ति के बाद मिले आनंद पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यशोदा मैया और नंद बाबा ने कन्हैया के लालन-पालन में ही आनंद की अनुभूति की। उन्होंने कभी ये नहीं सोचा कि यह किसी और का शिशु है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुख और दुख बिना विचलित हुए आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। जबकि महाभारत में उन्हीं के सैनिक उनके सामने युद्ध लड़ रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ के आयोजन में साधु-संत भीषण गर्मी में अग्नि स्नान करते देखे जाते हैं। उनके शरीर पर मौसम और कांटों तक का कोई असर नहीं पड़ता है, क्योंकि वे भगवान के समीप साधना के मार्ग से आनंद में डूबते हैं। सनातन संस्कृति में हमारे संत अग्नि वस्त्र धारण कर समाज की कई उलझनों को दूर करने के लिए अपने जीवन का निचोड़ देते हैं।

हरिद्वार से आए महर्षि मधुसूदन जी महाराज ने कहा कि संसार के भौतिक जगत को मापने का मापदंड मैटा फिजिक्स तय करती है। इसके दो भागों में संसार के तत्व ज्ञान और ब्रह्म ज्ञान का अध्ययन किया जाता है। आनंद की प्राप्ति के लिए वेदांत में कई स्थानों पर उल्लेख मिलता है। आनंद ही ब्रह्म है, जो पूरे संसार को गति प्रदान करता है। देश की गुलामी के समय बेलियम हेस्टिंग ने गीता को पढ़कर कहा था कि भारत अब लंबे समय तक गुलाम नहीं रहेगा, क्योंकि उन्होंने गीता में आनंद के तत्व ज्ञान को जाना था। बाद में गीता लंदन पहुंची और वहां हर विचारधारा के विद्वानों ने गीता को हाथों हाथ लिया। अमेरिका के विद्वान भी गीता के ज्ञान को परफेक्शन के रूप में देखा है। परफेक्शन अभ्यास से ही आता है। अमेरिकी जीवन सिद्धांत से देखें, तो जब कोई अपनी विधा में, अपने काम में परफेक्शन प्राप्त कर लेता है, तो वह योगी हो जाता है। आज हमारा भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में फिर से विश्व गुरु बनने की यात्रा कर रहा है।

आनंद विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि आनंद विभाग प्रदेश के सभी ब्लॉक स्तर पर शासकीय सेवकों के लिए आनंद से रहने की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। शासकीय सेवक स्वयं आनंदित रहना और नागरिकों के साथ कुशल व्यवहार करना सीख रहे हैं। विद्यार्थियों को स्कूल से लेकर कॉलेज तक मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर हमारे चित्त में प्रसन्नता है, तो समझिए सारा संसार खुश है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में दीनदयाल शोध संस्थान चित्रकूट के सचिव श्री अभय महाजन, श्री कमलेश पटेल, डॉ. जामदार सहित आरसीवीपी नरोन्हा अकादमी के महानिदेशक श्री सचिन सिन्हा, राज्य आनंद संस्थान के सीईओ श्री आशीष कुमार, उप निदेशक श्री प्रवीण गंगराड़े एवं बड़ी संख्या में प्रदेश के जिलों से आए आनंदक एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।

पांढुर्णा में ट्रक ने पंचायत कर्मी को कुचला, मौत

पांढुर्णा (नप्र)। पांढुर्णा जिले के लोधीखेड़ा क्षेत्र के बोरगांव में कलश यात्रा के दौरान सड़क हादसे में पंचायत कर्मी की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान तेजराम काकड़े के रूप में हुई है, जो पंचायत में कार्यरत थे। यह घटना उस समय हुई जब क्षेत्र में धार्मिक कलश यात्रा निकाली जा रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे। इसी दौरान अचानक आए ट्रक ने तेजराम को अपनी चपेट में ले लिया।

पीथमपुर में ट्रक ने महिला को कुचला, मौत, तीन घायल - पीथमपुर में महू-नीमच मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान मधु बाई के रुप में हुई। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना गुरुवार रात करीब 10.15 बजे सेक्टर-1 थाना क्षेत्र के स्टार होटल व हेल्थ केयर हॉस्पिटल के सामने हुई। तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे सब्जी बेच रही महिला और तीन अन्य लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

महिला से रेप, दूसरे को ब्लैकमेल करने का दबाव बनाया

आरोपी सिक्योरिटी एजेंसी संचालक को झूठे केस में फंसाने का बना रहा था प्लान

भोपाल (नप्र)। भोपाल के मिसरोद इलाके में महिला गार्ड से रेप का मामला सामने आया है। वारदात को पीड़िता के समधी ने अंजाम दिया। आरोपी महिला पर एक सिक्योरिटी एजेंसी के संचालक पर रेप का झूठा केस दर्ज कराने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करने का प्लान भी बना रहा था। हालांकि पीड़िता ने इसकी शिकायत थाना मिसरोद में की और पुलिस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

आरोपी करीब 8 महीने से पीड़िता से शारीरिक संबंध बना रहा था। पिछले कुछ समय से लगातार एजेंसी संचालक को ब्लैकमेल करने पीड़िता पर दबाव बना रहा था। बात नहीं मानने पर उसे बदनाम करने की धमकी देता था।

बहू का पिता है आरोपी

पुलिस के मुताबिक 45 साल की महिला इलाके में रहती है और प्राइवेट एजेंसी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करती है। उसने अपने बेटे की शादी की थी। उसी दौरान बहू के पिता से उसकी बातचीत होने लगी। बहू का पिता भी सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता है और उसकी पत्नी का निधन हो चुका है। दूसरी ओर पीड़िता का पति अपहरण केस में जेल में है।

आरोपी ने पीड़िता को शादी का ऑफर भी दिया था

आरोपी ने महिला से कहा कि तुम्हारा पति अब जेल से नहीं छूटेगा। मुझसे शादी कर लो। अच्छी नौकरी दिला दूंगा। पीड़िता सिक्योरिटी एजेंसी में काम कर रही थी। दोनों के संबंध बनने लगे। इस दौरान आरोपी समधी कहने लगा कि पैसे कमाकर लाओ और मुझे भी दो।

रेप और एट्रोसिटी एक्ट में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग करना चाहता था-इस बीच आरोपी ने कहा कि अपनी सिक्योरिटी एजेंसी के संचालक से विवाद कर लो। उसे एट्रोसिटी एक्ट में फंसाकर मोटी रकम वसूल लेंगे। पीड़िता ने आरोपी की हरकतों से परेशान होकर मिसरोद पुलिस को शिकायत की थी। मिसरोद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीतू पटवारी बोले-मेरे अलावा कोई भी राज्यसभा जाएगा

दिग्विजय को लेकर कहा- वो भी हो सकते हैं पर निर्णय पार्टी लेगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने खुद को राज्यसभा की रेस से अलग कर लिया है। भोपाल में मालवा क्षेत्र के कथावाचक मोहित नागर को कांग्रेस की सदस्यता दिलाने के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान जीतू पटवारी ने राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर कहा-कांग्रेस के अध्यक्ष का पद जिम्मेदारी का पद होता है। काम के लिए 24 घंटे भी कम पड़ते हैं। इस तरह की जिम्मेदारी का ये पद है। तो मेरे अलावा कोई भी साथी होगा वो सौ प्रतिशत राज्यसभा जाएगा। मीडिया और बीजेपी चिंतित होते हैं दोनों को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।

जीतू पटवारी से पत्रकारों ने पूछा कि क्या दिग्विजय सिंह राज्यसभा के उम्मीदवार हो सकते हैं तो उन्होंने कहा- बिल्कुल हो सकते हैं ये पार्टी निर्णय करेगी।

बता दें कि एमपी में जून में खाली हो रही राज्यसभा की सीट को लेकर चिंतन और मंथन का दौर चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने विजयपुर विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधानसभा सदस्यता बरकरार रखी लेकिन राज्यसभा चुनाव में मतदान का अधिकार नहीं दिया। ऐसे में राज्यसभा उम्मीदवारों को हरियाणा, ओडिशा, बिहार जैसे राज्यों में हुई क्रॉसवोटिंग के बाद एमपी में भी अंदरखाने टेंशन है।

बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह का छल- पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा- पूरे मप्र और देश में भयावहता है। महंगाई हर घर के चूल्हे को ग्रसित कर रही है। बहनों के साथ लाड़ली बहना एक तरह से छल था। तीन हजार रुपए का वादा करके 1500 रुपए देना। एक करोड़ बहनों को देना और तीन करोड़ बहनों को छोड़ देना। मप्र में चार करोड़ बहनें हैं जिनसे 3 हजार रुपए महीना देने का वादा था। ये सरकार का छल है।

मप्र में बेरोजगारी भयावह है। शिवराज और मोहन यादव की सरकार में रोजगार के सपने दिखाए गए। मप्र बेरोजगार युवाओं का गढ़ बन गया। बैकलॉग के पद हों या सामूहिक विवाह की योजना, विधवा पेंशन मात्र 600 रुपए मिल रहे हैं। मप्र कर्ज में डूबता प्रदेश बन गया है। आज फिर कर्ज लेने की तैयारी है। परसों कर्ज लिया था। कर्ज का बढ़ता बोझ मप्र के युवाओं के सपनों पर भारी पड़ रहा है।

चार साल से अटका ग्वालियर-बैतूल एनएच मार्ग अब बनेगा

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रुका था काम, 21 किमी एरिया वाइल्डलाइफ के दायरे में था

भोपाल (नप्र)। वन्यजीवों के एरिया से होकर गुजरने वाले और ग्वालियर से बैतूल को जोड़ने वाला 634 किमी लंबा नेशनल हाईवे अब जल्द पूरा हो सकेगा। हाईकोर्ट ने चार साल पहले इसे वन्यजीवों के लिए असुरक्षित बताते हुए काम रोकने का आदेश दिया था। वाइल्डलाइफ बोर्ड और केंद्र सरकार से जरूरी परमिशन मिलने के बाद ही काम चालू करने के आदेश दिए थे। अब सारी परमिशन मिलने के बाद काम शुरू किया जाने वाला है। यह निर्माण इस मार्ग के बरेठा घाट सेक्शन पर 20.9 किमी में निर्माण कार्य परमिशन के चलते शुरू होगा। यह मार्ग भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भी एक हिस्सा है, जो बैतूल होते हुए गुजरता है।

इस परियोजना के अंतर्गत बैतूल तक के अधिकांश खंडों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 21 किलोमीटर का एक भाग शेष रह गया था, जिसमें केसला रेंज, भौंरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित हैं। ये सभी खंड वन्यजीवों के मूवमेंट खासतौर पर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के चलते संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं।

इसको ध्यान में रखते हुए 1 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा निर्माण कार्य पर स्थगन का आदेश जारी किया गया था और आवश्यक मंजूरी के बाद ही निर्माण करने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए एनएचएआई द्वारा सभी परमिशन ली गई हैं। परियोजना के लिए वाइल्डलाइफ बोर्ड एवं केंद्र सरकार से अपेक्षित सभी आवश्यक मंजूरियां अब प्राप्त हो चुकी हैं। अब हाईकोर्ट में पेश होने वाली रिपोर्ट और आदेश के बाद काम शुरू होना तय हो गया है।

प्राइम लोकेशन की संपत्ति बेचने लगा आवास मेला

दो दिन का मेला लगाकर दी जानकारी, आज 21 मार्च को भी विजिट और बुकिंग

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड ने भोपाल की प्राइम लोकेशन पर अपनी प्रॉपर्टी बेचने आज आवास मेला लगाया। आवास मेला लगाकर लोगों को जानकारी गयी और लोगों ने साइट विजिट के साथ बुकिंग भी की।

पर्यावास भवन में आयोजित यह दो दिवसीय मेला -21 मार्च को भी लगेगा। राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी मिलेगी। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी होगी। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे मिलेगी। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी रहेगी।

ये सुविधा मिलेगी

फ्री साइट विजिट
ऑन द स्पॉट होम लोन
तत्काल बुकिंग सुविधा

सभी अपकमिंग प्रोजेक्ट की जानकारी मिलेगी- आवास मेले हाउसिंग बोर्ड अपने सभी आने वाले प्रोजेक्ट की भी जानकारी उपलब्ध कराएगा। बोर्ड देवकीनगर, बैरसिया रोड, करोंद में 10 एकड़ में प्लॉट का प्रोजेक्ट ला रहा है। वहीं अयोध्या नगर में डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, फ्लैट के 5 नये प्रोजेक्ट आने वाले हैं। इस तरह के सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मेले में मिलेगी।

कटारा हिल्स में 186 प्लाटों की चल रही बुकिंग

कटारा हिल्स में सफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट में बोर्ड 34 एकड़ में आवासीय प्लॉट का प्रोजेक्ट लाया है। इस प्रोजेक्ट में बुकिंग चल रही है। इसमें अलग-अलग साइज के 186 प्लॉट रखे गए हैं। 1300 स्क्वेयर फीट से लेकर 7000 स्क्वेयर फीट तक के 5 साइज के प्लॉट हैं। इस प्रोजेक्ट में एसटीपी से लेकर अंडरग्राउंड बिजली के तार तक सभी आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी।

सुरम्य परिसर, लवकुश हाईट्स और खजूरीकलां फेज-2 में चल रही बुकिंग

अयोध्या एक्सटेंशन में सुरम्य परिसर और लवकुश हाईट्स फ्लेट्स के प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं। सुरम्य परिसर में 250 फ्लेट बन रहे हैं और इनमें बुकिंग चालू है। वहीं, लवकुश हाईट्स में भी निर्माण और बुकिंग चल रही है। खजूरीकलां फेज-2 में 147 डुप्लेक्स और ट्रिप्लेक्स घरों में भी बुकिंग चल रही है। इन सभी मकानों की बुकिंग मेले में होगी।

रजाई-गद्दे की दुकान में घटना, 20 फीट तक ऊपर उठी आग की लपटें

भोपाल में कटारा हिल्स में आग, लेट पहुंची दमकल

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित एक रजाई-गद्दे की दुकान में देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 20 फीट तक ऊपर उठ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो आग पर जल्दी काबू पा लिया जाता, लेकिन फायर ब्रिगेड ही करीब 45 मिनट देरी से मौके पर पहुंची।

कटारा हिल्स के स्प्रिंग वैली में श्री वृंदावन फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट है। ठीक इसके पास रजाई-गद्दे की दुकान है। गुरुवार-शुक्रवार की देर रात इसी दुकान में आग लगी। राहगीर और आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल बुलाने के लिए फायर स्टेशन पर कॉल किया, लेकिन पौन घंटे तक दमकल मौके पर ही नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- गाड़ी खराब हो गई- आगजनी का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बताया। एक महिला ने कहा कि पौन घंटा तक दमकल मौके पर नहीं आई। जब आई तो उसमें कर्मचारियों ने खराब बताई। फिर कुछ संसाधन ढूंढने लगे। जब संसाधन मिले तो गाड़ी ठीक की गई और फिर आग बुझाई गई। हालांकि, तब तक पूरी दुकान जल चुकी थी।

संपादकीय

राहत दी भी और नहीं भी !

विजयपुर के कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा की विधायकी को लेकर सुप्रीम ने जो अंतरिम राहत दी है, वह एक अर्थ में राहत है भी दूसरे अर्थ में नहीं भी है। फिलहाल विधायक मल्होत्रा को इतना लाभ ही मिला है कि इस मामले में अदालत का अंतिम फैसला होने तक वो विधायक बने रहेंगे। अंतिम फैसला क्या आता है, इस पर सभी की नजर रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की डबल बेंच ने मुकेश मल्होत्रा को विधायक के रूप में जारी रखने की अनुमति तो दी है, लेकिन अंतिम फैसला आने तक कुछ पाबंदियां भी लगाई हैं। जैसे कि मुकेश जून में होने वाले राज्यसभा के चुनाव में वोट नहीं डाल सकेंगे। मामले पर अंतिम निर्णय होने तक उन्हें विधायक के रूप में मिलने वाले वेतन भत्ते भी नहीं मिलेंगे। क्षेत्र के विकास के लिए विधायक निधि नहीं मिलेगी। इस मामले पर अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। हालांकि विधायक मुकेश मल्होत्रा ने शीर्ष अदालत के इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जो सम्मानजनक फैसला दिया है, उससे मैं संतुष्ट हूं। ये विजयपुर की जनता के एक-एक मत की जीत है। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत आरोप लगा रहे थे कि मैंने केस छिपाए हैं। मैंने कोई केस नहीं छिपाए। मैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए संघर्ष करता रहूंगा। सदन में भी प्रश्न उठाता रहूंगा। विजयपुर विधानसभा सीट का यह मामला इसलिए भी दिलचस्प है कि इससे जुड़े पक्ष दलबदलू हैं। 2025 में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने पार्टी में अपनी उपेक्षा से नाराज होकर भाजपा ज्वाइन कर ली थी और मुख्यामंत्री डॉ.मोहन यादव ने कैबिनेट मंत्री भी बना दिया था। जबकि मुकेश मल्होत्रा पहले भाजपा में ही थे, तब सरकार ने उन्हें सहारिया प्राधिकरण का अध्यक्ष और दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री बनाया था। 2023 में पार्टी द्वारा टिकट न देने से दुखी होकर मुकेश ने निर्दलीय विधानसभा चुनाव लडा था। मुकेश आदिवासी समुदाय से हैं। उन्हें चुनाव में आदिवासियों के 45 हजार वोट मिले। बाद में रामनिवास रावत के विधायक के रूप में इस्तीफे के बाद विजयपुर सीट पर फिर से चुनाव हुआ तो कांग्रेस ने जनरल सीट पर आदिवासी मुकेश मल्होत्रा को उतारकर तगड़ा दांव चला और वो मंत्री रामनिवास रावत को हराकर चुनाव जीत गए। रावत का हारना मुख्य मंत्री यादव के लिए भी झटका था। मुकेश की इस जीत के खिलाफ रावत हाईकोर्ट में गए। कोर्ट ने मुकेश मल्होत्रा का निर्वाचन इस आधार पर शून्य घोषित कर दिया कि उन्होंने अपने नामांकन के साथ झूठा शपथ पत्र दिया तथा उन पर दर्ज सभी आपराधिक मुकदमों की सही जानकारी नहीं दी। सबूतो और कानून के आधार पर हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच ने मुकेश मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर पराजित रामनिवास रावत को निर्वाचित घोषित कर दिया। इसके खिलाफ मुकेश सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जहां अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत दी है। हालांकि खुद मुकेश और कांग्रेस इसे अपनी और जनता की जीत बता रहे हैं, जोकि सही नहीं है। कहा तो यहां तक गया कि सर्वोच्च अदालत ने मुकेश पर लगे आरोपों को ही खारिज कर दिया है, लेकिन हकीकत यह है कि कोर्ट ने मुकेश का निर्वाचन तो कायम रखा है, लेकिन उनसे बाकी अधिकार छीन लिए हैं। ऐसे में विधायकी बच तो गई है, लेकिन वह संदेह से परे नहीं है। असल मुद्दा यह है कि मुकेश मल्होत्रा ने झूठा शपथ पत्र दिया। क्योंकि उन्होंने उन पर दर्ज सभी आपराधिक मामलों की जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी। इस फैसले का सीधा रास चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओंपर पड़ेगा, क्योंकि एक और वोट कम हो गया है।

गरीबी को केवल आर्थिक समस्या मान लेना गंभीर भूल

नजरिया

डॉ. नरेश गौतम
सहायक प्रोफेसर, समाज कार्य विभाग, एसआरयू, रायपुर

दुनिया आज मानो युद्ध के मुहाने पर बैठी है। लगभग हर देश अपनी शक्ति, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ाने के होड़ में लगा हुआ है। लेकिन इतिहास गवाह है कि इस प्रकार के संघर्षों में सबसे अधिक प्रभावित वही वर्ग होता है, जो पहले से ही गरीबी की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। दुनिया के मेहनतकश मजदूर कई आर्थिक कठिनाइयों से घिरे हैं। करोड़ों श्रमिक भूखे रहते हैं, दूषित पानी पीते हैं, जानलेवा बीमारियों से ग्रसित हैं, अपने बच्चों को मरते हुए देखते हैं, दस वर्ष की आयु से पहले अपने बच्चों को काम पर भेजते हैं, अंजाने या मजबूरी में कम वेतन के लिए घंटों देर तक काम करते हैं, अपने आप को बेरोजगार पाते हैं, झुग्गियों में रहते हैं जहाँ न पेयजल की सुविधा होती है और न जल के निकास की कोई व्यवस्था। जहरीली हवा में साँस लेते हुए हर दिन क्रूरता और दमन सहते हैं।

गरीबी पर चर्चा अकसर केवल संसाधनों की कमी अथवा न्यूनता के नजरिए से की जाती है, जबकि वास्तविक संकट संपत्ति और सत्ता के असमान तथा आक्रामक तरीके के केंद्रीकरण का है। जब समाज के अधिकांश संसाधन व संपत्ति कुछ गिने-चुने लोगों के हाथों में सिमट जाती है, तब बहुसंख्यक आबादी के हिस्से में अभाव, असुरक्षा और परनिर्भरता ही आती है।

वैश्विक स्तर पर असमानता इस हद तक बढ़ चुकी है कि हाल के वर्षों में दुनिया में उत्पन्न नई संपत्ति का लगभग 82 प्रतिशत हिस्सा केवल शीर्ष के 1 प्रतिशत आबादी के हाथों में केंद्रित हो गया है। जबकि दुनिया की आधी आबादी की संपत्ति में कोई उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है। यह दर्शाता है कि आर्थिक विकास का लाभ व्यापक समाज तक पहुँचने के बजाय उच्चवर्ग तक सिमटता जा रहा है।

भारत में भी तस्वीर इससे अलग नहीं है। विभिन्न असमानता संबंधी रिपोर्टों के अनुसार भारत में कुल संपत्ति का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा सबसे धनी 10 प्रतिशत आबादी के पास है, जबकि लगभग 40 प्रतिशत संपत्ति केवल शीर्ष 1 प्रतिशत के नियंत्रण में है। ऑक्सफैम के आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2017 में भारत में पैदा हुई कुल नई संपत्ति का लगभग 73 प्रतिशत हिस्सा सबसे अमीर 1 प्रतिशत के पास चला गया, जबकि निचले 50 प्रतिशत यानी लगभग 67 करोड़ लोगों की संपत्ति में केवल 1 प्रतिशत वृद्धि हुई। इसका मतलब यह है कि अमीरी केवल बढ़ नहीं रही, बल्कि आर्थिक संसाधनों का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर लगातार स्थानांतरित हो रहा है।

संपत्ति का यह असंतुलित केंद्रीकरण केवल आर्थिक तथ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि सत्ता संरचना की भी हक़ीक़त है। जब समाज की पूँजी, संसाधन और आर्थिक ताकत सिर्फ उच्च वर्ग के हाथों में सिमट जाती है, तो वही वर्ग नीतियों, मीडिया, उपभोग की सामग्री और सार्वजनिक विमर्श, नीति निर्माण की दिशा तय करने लगता है। लोग क्या पहनेंगे, क्या खाएँगे, कैसे जीवन जिएंगे यह सब यही वर्ग तय करता है। इस व्यवस्था की जड़ें उस ऐतिहासिक सामाजिक सोच में भी मिलती हैं जो समाज को बराबरी के आधार पर नहीं बल्कि ऊँच-नीच, जातिगत वर्चस्व और सामाजिक पदानुक्रम के पैमाने पर बाँटती रही है। आर्थिक असमानता जब सामाजिक विषमता के साथ मिलती है, तो वह और अधिक गहरी हो जाती है। परिणामस्वरूप गरीबी केवल संसाधनों की कमी नहीं रहती, बल्कि सत्ता अपनी ताकत और छल कपट से इसको विस्तार देती है।

गरीबी को समझने के लिए सामान्यतः तीन अवधारणाओं की चर्चा की जाती है- निरपेक्ष गरीबी, सापेक्ष गरीबी और आत्मिक गरीबी। निरपेक्ष गरीबी वह स्थिति है जहाँ भोजन, आवास, स्वास्थ्य और जीवन की बुनियादी आवश्यकताएँ ही पूरी नहीं हो पातीं। सापेक्ष गरीबी का संबंध उस स्थिति से है, जहाँ व्यक्ति या समुदाय समाज के औसत जीवन स्तर से बहुत नीचे जीवन जीने को मजबूर होता है। लेकिन एक तीसरी और अधिक गंभीर स्थिति है, आत्मिक या आंतरिक गरीबी, जहाँ समाज मानवीय संवेदना, सामाजिक दायित्व और सामूहिक संघर्ष की चेतना से दूर होता जाता है।

सरकारी और सांख्यिकीय विमर्श अकसर पहले दो स्तरों तक ही सीमित रहता है। यह गिना जाता है कि कितने लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं और कितनों ने उसे पार कर लिया है। भारत के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार 2015-16 से 2019-21 के बीच लगभग 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए और आज लगभग 15 प्रतिशत आबादी बहुआयामी रूप से गरीब मानी जाती है। लेकिन इन आँकड़ों के बावजूद असमानता की खाई लगातार गहरी होती जा रही है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल गरीबी रेखा के ऊपर-नीचे की गणना से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

आत्मिक गरीबी की अवधारणा इस स्थिति की ओर संकेत करती है, जब व्यक्ति या समाज यह पूछने की शक्ति खो देता है कि असमानता क्यों है। वह व्यवस्था पर प्रश्न उठाने के बजाय उसी असमान सीढ़ी पर ऊपर चढ़ने का सपना देखने लगता है। यह मानसिकता पूँजीवादी व्यवस्था को वैधता और स्थिरता देती है, क्योंकि लोग असमानता के ढाँचे को चुनौती देने के बजाय उसी के भीतर अपनी जगह तलाशने लगते हैं।

धीरे-धीरे व्यक्ति श्रम की गरिमा, सामाजिक न्याय और सामुदायिक हित जैसे मूल्यों से दूर होने लगता है। उसकी जगह उपभोग, संग्रह और दिखावटी समृद्धि की प्रवृत्ति ले लेती है। विज्ञापन, सोशल मीडिया और बाजारवादी संस्कृति मिलकर ऐसी इच्छाएँ पैदा करते हैं। यह आम इंसान की आय से कहीं अधिक होती है, लेकिन वह इन्हीं मानकों के आधार पर अपनी सफलता या विफलता का मापने लगता है।

इस प्रक्रिया में संवेदनशील नागरिक का रूपांतरण एक उपभोक्तावादी व्यक्ति में होने लगता है। वह अपने अधिकारों, श्रम-सम्मान और सामाजिक न्याय के प्रश्नों की जगह ऑफर, छूट और राहत योजनाओं को ही जीवन की मुख्य चिंता मानने लगता है। व्यवस्था से सवाल पूछने के बजाय वह उसी व्यवस्था से कुछ लाभ पाने की उम्मीद से कतारों में खड़ा रहना कबूल कर लेता है। यही वह आत्मिक दरिद्रता है जो अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति को धीरे-धीरे कमजोर कर देती है।

दरहक़ीक़त, भारत में गरीबी का बने रहना केवल आर्थिक विफलता का परिणाम नहीं है; यह एक गहरी राजनीतिक वास्तविकता है। स्वतंत्रता के सात से अधिक दशकों बाद भी जब करोड़ों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य और सम्मानजनक जीवन से वंचित हैं, तो यह केवल प्रशासनिक अक्षमता का प्रश्न नहीं, बल्कि उस राजनीतिक इच्छा-शक्ति की अनुपस्थिति का संकेत भी है जो असमानता को जड़ से चुनौती दे सके।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 19 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में लगभग 5 प्रतिशत आबादी अभी भी बहुआयामी गरीबी का सामना कर रही है। यह ग्रामीण-शहरी अंतर जाति, वर्ग और लिंग आधारित विषमताओं के साथ मिलकर एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक संरचना विकसित करता है। जब समाज का एक बड़ा हिस्सा अभाव और असुरक्षा में जीता है, तब उसे चुनावी नारों, राहत योजनाओं और अस्थायी सहायता के जरिए अपेक्षाकृत आसानी से बहलाया फुसलाया जा सकता है। इस तरह गरीबी कई बार राजनीति का सुविधाजनक औजार बन जाती है, न कि वास्तव में हल की जाने वाली समस्या। स्वतंत्रता के समय भारत ने एक ऐसे राष्ट्र का सपना देखा था जो शिक्षित, समतामूलक और समृद्ध होगा। लेकिन शुरुआती दशकों में सत्ता-संरचनाओं को स्थिर करने की प्रक्रिया में गरीबी, भूख, बेरोजगारी और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत प्रश्न लंबे समय तक घोषणाओं और भाषणों तक ही सीमित रहे। बाद के वर्षों में जनदबाव और आंदोलनों के कारण अनेक योजनाएँ बनीं–रोज़गार, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियाँ लागू हुईं–लेकिन योजनाएँ बन जाना और समाज की संरचना बदल जाना, दोनों अलग बातें हैं। किसी भी देश का वास्तविक विकास महानगरों की चमक, ऊँची इमारतों या शेयर बाजार की ऊँचाई से नहीं मापा जाता। विकास की असली कसौटी यह है कि उस देश का सबसे कमजोर और वंचित नागरिक किस स्थिति में जी रहा है। जब तक विकास की प्रक्रिया के केंद्र में गाँव, किसान, मजदूर, दलित-आदिवासी, स्त्री और अन्य वंचित समुदाय नहीं होंगे, तब तक समृद्धि का कोई भी दावा बेमानी ही रहेगा। शिक्षा इस परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी हो सकती है। यदि शिक्षा को वास्तव में मुक्त, समान और सार्वभौमिक अधिकार के रूप में लागू किया जाए, तो वह समाज को भीतर से बदलने की शक्ति रखती है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक भी यह दिखाता है कि जिन क्षेत्रों में शिक्षा विशेषकर महिला शिक्षा में सुधार हुआ है, वहाँ गरीबी में अपेक्षाकृत तेज़ गिरावट दर्ज की गई है।

शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन मात्र नहीं है; यह आत्मसम्मान, नागरिक चेतना और सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है। जब शिक्षा लोगों को यह समझने की क्षमता देती है कि असमानता स्वाभाविक नहीं बल्कि सामाजिक-राजनीतिक संरचनाओं का परिणाम है, तभी समाज आत्मिक दरिद्रता से बाहर निकलकर न्यायपूर्ण व्यवस्था की मांग करने में समर्थ होता है।

इसलिए गरीबी को केवल आर्थिक समस्या मान लेना एक गंभीर भूल है। वास्तविक चुनौती उस आक्रामक अमीरी की है जो संसाधनों और अवसरों को अपने भीतर समेटते हुए समाज को असमानता की गहरी खाई में धकेल रही है। जब तक समाज आत्मिक दरिद्रता से मुक्त नहीं होगा अर्थात जब तक लोग अन्याय को नियति मानने के बजाय उसकी संरचनात्मक जड़ों पर सवाल नहीं उठाएँगे तब तक गरीबी के खिलाफ हर संघर्ष अधूरा ही रहेगा। इतिहास गवाह है कि समाज में वास्तविक परिवर्तन तब आता है जब लोग अभाव के साथ समझौता करने के बजाय अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस जुटाते हैं।

चुनावी कवरेज की भी है लक्ष्मण रेखा !

मुद्दा

प्रो.संजय द्विवेदी
लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।

अब जबकि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की रणभेरी बज चुकी है तो हमारे मीडिया जगत में भी इन दिनों ईरान-अमरीका के युद्ध के बाद यही खबर खास है। उत्तर भारत में बंगाल और असम विमर्श के केंद्र रहेंगें तो दक्षिण क्षेत्र में केरल,तमिलनाडु और पुड्डिच्चेरी के चुनाव चर्चा के केंद्र में रहेंगें। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया की समझ और उसका कवरेज बहुत आसान नहीं है। चुनावों में न सिर्फ मीडिया की जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है वरन स्वस्थ लोकतंत्र के विकास में यह चुनौतीपूर्ण भी हो जाती है। चुनाव के दौरान मीडिया की विश्वसनीयता भी दांव पर लग जाती है और यह कहना बहुत कठिन है कि वह इसमें कितना खरा उतरता है। भारत जैसे महादेश की विशाल संरचना, विविध भाषाएं, क्षेत्रीय अस्मिताएं, आकांक्षाएं, जाति चेतना, शिक्षा का विविध स्तर जिस तरह सामने आते हैं, उसमें कोई संतुलित दृष्टि बना पाना वास्तव में आसान नहीं होता। प्रिंट मीडिया ने तो लंबे अनुभव से इसमें एक परंपरागत कौशल अर्जित कर लिया है लेकिन इलेक्ट्रानिक मीडिया को अभी इस क्षेत्र में लंबा मुकाम तय करना है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र की तमाम खूबियों के बावजूद तमाम बुराइयां भी हैं जो चुनाव के समय ज्यादा प्रकट रूप में सामने आती हैं। मीडिया भी हमारे संसदीय लोकतंत्र बुराइयों से बच नहीं पा रहा है। चुनावी कवरेज में भी पैकेज का खेल शुरू हो गया है, जिससे जनतंत्र मजबूत तो नहीं हो रहा है, उल्टे मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवालिया निशान उठने लगे हैं। हालांकि सब कुछ बुरा ही है ऐसा सोचना ठीक नहीं किंतु विचार का बिंदु यह है कि हम अपनी चुनावी कवरेज या रिर्पोटिंग की प्रामणिकता और विश्वसनीयता कैसे बचाएं। कई बार मीडिया अपनी तरफ से एजेंडा सेट कर लेता है और जमीनी हकीकत उससे उलट होती है, तब दंभी राजनीति मीडिया को लांछित करने का कोई मौका नहीं छोड़ती। जाहिर तौर पर चुनावी कवरेज को हमें इस स्तर पर ले जाना होगा ताकि कोई राजनीतिक दल मीडिया के आंकलनों का मजाक न बना सके। यहां यह करते हुए हमें अपनी सीमाओं का भी ध्यान रखना होगा कि हम जाने-अनजाने किसी के हाथ का खिलौना तो नहीं बन रहे हैं।

पत्रकार की राजनीतिक विचारधारा हो सकती है और बहुत संभव है कि वह अपनी राजनितिक विचारधारा को राज करते देखने का भी आकांक्षी भी हो। किंतु उसकी 'पोलिटिकल लाइन' कहीं 'पार्टी लाइन' में तो नहीं बदल रही है, इसे उसे सचेत होकर देखना होगा। अपनी निगहबानी और निगरानी उसे खुद करनी होगी, यही चुनावी कवरेज की लक्ष्मण रेखा भी है। तभी वह अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार रह पाएगा। यहां सवाल यह भी उठता है कि क्या पत्रकार की व्यक्तिगत ईमानदारी से काम चल जाएगा ? मीडिया संस्थानों के प्रबंधकों को भी इसमें योगदान देना होगा। एक तरफ पत्रकार का मिशन तो दूसरी ओर मीडिया प्रबंधकों और संस्थान का एजेंडा जिसे व्यवसाय की आड़ में पत्रकारिता को कलंकित करने

की छूट होती है, इससे बचना होगा।

चुनाव रिर्पोटिंग दरअसल बच्चों का खेल नहीं है यह एक सावधानी पूर्ण कर्म है जिसे अनुभव, अध्ययन, प्रदेश की सामाजिक, आर्थिक, जातीय स्थितियों और सामाजिक ताने- बाने को समझे बिना नहीं किया जा सकता। जनता की आंख और कान होने का दावा करने वाले मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह सही तथ्यों को जनता के सामने रखे और प्रतिनिधि का रिर्पोट कार्ड बिना हील-हुज्जत के लोगों को बताए। सिर्फ जातीय समीकरणों के आधार होने वाली रिर्पोटिंग से आगे बढ़कर मुद्दों को आगे लाने की कोशिश भी मीडिया की एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज खबर पहले दिखाने की होड़ जिस दौर में पहुंच गयी है वहां पत्रकारों की चिंताएं बहुत बढ़ गयी हैं। रिर्पोटिंग का स्वभाव भी सुविधाओं की गोद में बैठने का होता जा रहा है, जबकि जमीन पर उतरे बिना सच्चाई सामने नहीं आती है। प्रायः पत्रकार बहुत अंदर के गांवों और गिरिवासी, वनवासी क्षेत्रों में नहीं जाते। जिससे वहां चलने वाली हलचलों का पता नहीं चल पाता। इससे तमाम क्षेत्रों की सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती। जिन सर्वेक्षणों के चलते मीडिया का विश्वसनीयता सर्वाधिक प्रभावित हो रही है उसे करने वाली कंपनियों की भी विश्वसनीयता दांव पर रहती है। पर प्रायः ये सर्वेक्षण सच के करीब नहीं आ पाते। यह भी सोचने की बात है कि कई बड़ी मीडिया कंपनियां अब राजनीतिक दलों से मिलकर सर्वे के परिणामों में उलटफेर करती हैं।

यह सोचना भी बहुत डरावना है कि ऐसे में उस साख का क्या होगा जिसे लेकर मीडिया जनता के बीच आदर पाता है। प्रिंट माध्यम में कई समाचार पत्र बाजार के तमाम दबावों के बावजूद बेहतर काम कर रहे हैं किंतु इलेक्ट्रानिक माध्यमों के सामने चुनौती बड़ी है। उन्हें न सिर्फ नजरिए में बदलाव लाना होगा वरन अपने माध्यम के दैनिक कर्म से अलग चुनावी कवरेज को गंभीर बनाना होगा। बाजार के हाथ का खिलौना हर कोई बनना चाहता है किंतु साख को कायम एक अलग ही बात है। न्यूज चैनलों को सही तस्वीर दिखाने के लिए आगे आना होगा। कैसे कोई वीआईपी इलाका बन जाता है तो कैसे कोई क्षेत्र बहुत पिछड़ा रह जाता है। विकास के साधनों की बंदरबांट और जनप्रतिनिधि की अपने क्षेत्र के बारे में सोच के प्रकटीकरण का चुनाव बेहद उपयुक्त माध्यम हैं। टीवी पर होने वाली बहसें भी कभी कभार छिछली चर्चा में तब्दील हो जाती हैं क्योंकि कई बार खुद एंकर की पकड़ विषय या क्षेत्र पर नहीं होती। अब जबकि चुनाव आयोग लगातार अपनी सक्रियता से चुनावों में कम से कम दिखने वाले कदाचारों को रोकने में तो सक्षम है, मीडिया को भी सिर्फ कार्रवाईयों के विवरण के बजाए अपनी सक्रियता दिखानी चाहिए ताकि आदर्श आचार संहिता का पालन राजनीतिक दलों के लिए अनिवार्य हो जाए। चुनावी कवरेज में कई बार बाहर से गए अनुभवी पत्रकार ज्यादा सच्चाईयां सामने ला सकते हैं। छोटे स्थान की अपनी सीमाएं होती हैं वहां नेता, प्रशासन, आपराधिक तत्वों का एक गठबंधन बन जाता है। सो स्थानीय पत्रकार भी कई बार भय के कारण भी सामने नहीं आ पाते ऐसे समय में वरिष्ठ पत्रकारों को कमान संभालनी चाहिए। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास करते हुए रचनात्मक प्रयासों से मीडिया अपनी सामाजिक जिम्मेदारी भी निभा रहा है। अब जबकि हर साल देश में कहीं न कहीं चुनाव चलते ही रहते हैं, हमें अपने लोकतंत्र को सार्थक बनाने के लिए मीडिया के योगदान को एक वैज्ञानिक कर्म में बदल देना चाहिए। जिससे हम चुनावी कवरेज की ऐसी विधि विकसित कर सकें जिसमें आमजन की जागरूकता से राजनीति पर समाज का नैतिक नियंत्रण कायम हो सके। इससे मीडिया जनविश्वास तो हासिल करेगा ही लोकतंत्र को भी मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभा सकेगा।

सृष्टि का आनंद बनाम आनंद की सृष्टि

दृष्टिकोण

अनिल त्रिवेदी
लेखक अभिभाषक हैं।

सृष्टिमूलतः विराट नैसर्गिक ऊर्जा के अनन्त अद्भुत आनंद की प्रत्यक्ष अनुभूति हैं। आनंद का विस्तार सूक्ष्म रूप से समूची सृष्टि में व्याप्त है। आनंद मनुष्य के मन मात्र में ही नहीं मनुष्यों के समूचे चिंतन,मनन, सृजन से लेकर संपूर्ण जगत में स्थित वनस्पति जगत और प्राणी जगत में कई रूपों में जैसे जलचर, थलचर एवं नभचर में समान रूप से मौजूद हैं। ध्वनि तरंगों से लेकर प्रकाश की किरणें अपने आप में अद्भुत अनंत रूप स्वरूप में रचना संसार का सृजन करती है । प्रकाश की उपस्थिति जगत को चैतन्य स्वरूप में कायम रखकर सदा-सर्वदा गतिशील बनाए रखती है । सौर एवं गुरुत्वाकर्षण जन्य गति से उत्पन्न प्रकाश का अस्थाई अभाव चैतन्य स्वरूप को सुप्तावस्था में ले जाता है, ऐसी सुप्तावस्था की ओर जो चैतन्य को निरंतर ऊर्जावान बनाए रखने में हरक्षण प्रवृत्त रहती हैं। सुप्तावस्था चैतन्य का विश्रांति काल है।चैतन्य अवस्था और सुप्तावस्था सृष्टि में व्याप्त जीवन के दो छोर की तरह से है।वायु और जल का प्रवाह अपने मंद मंद स्वरूप में जिस तरह से एक नये रचना संसार में आनंद को बिखेरता रहता है उसका कोई विकल्प नहीं है। जल और वायु सृष्टि के एक तरह से जनक है। गुरूत्वाकर्षण सृष्टि का कालजयी प्रवाह है। प्रवाह और वायु की तूफानी गति मूल रूप में जल और वायु कण होते हुए भी छोटी-छोटी तरंगों से लेकर भीषण सुनामी की सृष्टि कर आनन्द मिश्रित भय एवं जिज्ञासा की निरन्तर उत्पत्ति करती ही रहतीं हैं। इसके मूल में भी गुरूत्वाकर्षण ही है।

छोटे बड़े फल फूल और कीट पतंगों सहित असंख्य तितलियां और नाना प्रकार के रंग बिरंगे फूल एवं जीव एक प्राकृतिक जीवन्त दृश्य को उत्पन्न कर वनस्पति जगत में अनोखे जीवन चक्र को निरंतर बनाए रखते है। हमारी इस धरती पर जो कुछ भी मौजूद है सब एक दूसरे से भिन्न तो है ही साथ ही साथ अभिन्न भी है। हमारी सृष्टि में एक जैसी दो चीजें मौजूद ही नहीं हैं। एक ही वृक्ष पर लगने वाला हर एक पत्ता दूसरे पत्ते से भिन्न है यही भिन्नता और अभिन्नता की अनोखी अनन्त श्रृंखला है।जगत का अंतहीन विस्तार एक दूसरे से भिन्न है और जगत में उपस्थित सभी चीजें एक दूसरे से अभिन्न भी। भिन्नता और अभिन्नता की अनंत जुगलबंदी हमारी सृष्टि का सबसे विशालतम रूप स्वरूप ही तो है। सृष्टि में जो कुछ भी है वह एक दूसरे से भिन्न होकर भी मूल रूप से अभिन्न ही है।

आनन्द मिश्रित पंचतत्व याने जल,वायु अवनी, अंबर और अग्नि। सृष्टि के विराट स्वरूप के रचयिता हैं। यह भी एक यक्ष प्रश्न हमारे सामने बार-बार उठता है कि सृष्टि के रचयिता जगत में पंचतत्व की उपस्थिति के कारण सृष्टि का निर्माण हुआ या जगत में पंचतत्व की उपस्थिति और गतिशील गतिविधियों ने सृष्टि के स्वरूप की उत्पत्ति की। जगत में सृष्टि की उत्पत्ति जीवन की अनन्त श्रृंखला की निरन्तर गतिशीलता के फलस्वरुप हुई हैं। जीवन और जन्म दो अलग-अलग प्रवाह है। जन्म के साथ ही मृत्यु की अवश्यम्भावी उत्पत्ति जन्म का अविभाज्य अंग है।जो जन्म लेता है उसकी मृत्यु निश्चित है। जन्म और मृत्यु जीवन के दो छोर है।जो अजन्मा है वो अविनाशी है। सृष्टि और आनन्द जीवन का अदभुत प्रवाह है जो एक दूसरे से भिन्न होकर भी अभिन्न हैं।

सृष्टि में मनुष्य की उपस्थिति से सृष्टि के अस्तित्व का साक्षात्कार मनुष्यों को हुआ। मनुष्यों के अन्तर्मन में आनन्द नहीं जन्मा होता तो समूची सृष्टि का प्रत्यक्ष साक्षात्कार ही मानव मन या जीवन को नहीं हो पाता। सृष्टि में प्राणिजगत और वनस्पति जगत की उत्पत्ति एवं निरंतरता के बीज सुप्तावस्था में होकर भी जाग्रत अस्तित्व में होने से ही जीवन की अंतहीन श्रृंखला का उदय हुआ है। जीवन मूलतः अनन्त जैविक ऊर्जा का मूल जैविक स्वरूप हैं। सृष्टि में जीवन व्याप्त है या ऊर्जा के जैविक स्वरूप से सृष्टि का विराट स्वरूप उदित हुआ है। विराट और सूक्ष्म रूप का प्रत्यक्ष प्रमाण बूंद और समुद्र के रूप में जलबिंदु और जलराशि के रूप से हम सहजता से प्रत्यक्ष स्वरूप में साक्षात्कार हम मनुष्य रूप में निरंतर करते ही रहते हैं। अनंत जलबिंदु वायु में मौजूद होकर सृष्टि में बादलों का रूप स्वरूप अपने आप गुरूत्वाकर्षण शक्ति से प्राप्त कर पुनः वर्षा के रूप में अवनी अंबर को अनन्त जीवनी शक्ति प्रदान करते हुए समूचे चैतन्य स्वरूप को आनन्द से ओतप्रोत कर देते हैं। सृष्टि के आनन्दमयी जीवन अनुभव को, सृष्टि का हर एक जीव महसूस तो करता है पर सृष्टि की गाथा को अभिव्यक्ति देने वाला मनुष्य ही सृष्टि के आनन्द के अनूठे अनुभव को अक्षर , शब्द और ध्वनि स्वरूप में अभिव्यक्त कर पाते हैं। इस विस्तार को सूत्र रूप में हम कह सकते हैं कि सृष्टि ही आनंद है और आनंद ही सृष्टि है। यह सूत्र भी भिन्न और अभिन्न जैसा ही निरंतर जगत में अस्तित्व में आया और सनातन काल से जगत को ऊर्जा के चैतन्य स्वरूप में हम सब को हर क्षण सृष्टि और आनन्द से साक्षात्कार कराता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

शेर की तरह आता और मेमने की तरह जाता है मार्च का महीना

व्यंग्य

यशवंत गोरे
(लेखक व्यंग्यकार है)

प्रेम और मित्रता को समर्पित युवा पीढ़ी का त्योहार 'वैलेंटाइन डे' के ठीक 15 दिन बाद शुरू होने वाले अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मार्च का महीना शुरू होता है। सनातन धर्म और संस्कृति को मानने वालों के लिए मस्ती और भक्ति के त्योहार 'होली' और 'शिवरात्रि' भी इसी माह मार्च में मनाए जाते है। पुरे साल अपने और अपने परिवार के लिए मरने-खपने वाली महिलाओं को इसी माह हम एक दिन 'महिला दिवस' मना कर उनके समर्पण और शौर्य का गुणगान कर फिर साल भर के लिए रिचार्ज कर देते है। पूरे वर्ष सड़को की खुदाई में फूटती पानी सप्लाय की पाइप लाइनों से फव्वारों का आनंद लेने, कारों को चमकानों के लिए रोज घरों के सामने पानी बहाने के वाले, पानी पिने के बाद आधा ग्लास में छोड़ने वाले, नदियों में कचरा फेंकने वाले, इसी महीने 'विश्व जल दिवस' मनाकर जल संरक्षण की बात करते हैं। बड़े- बड़े मंचों से तरह- तरह की भाव- भंगिमा बनाकर भाषण देकर भीड़ इकट्ठा करने वाले और जनता की वाहवाही लूटने अभिनेताओं और वास्तविक रूप से रंगमंच पर अभिनय करने वाले रंगकर्मि निःशुल्क नाटकों के लिए दर्शक तलाशते और खाली पड़े नाट्यगृहों से जूझते रंगमच वालों के लिए भी इसी माह 'विश्व रंगमंच दिवस' भी मनाया जाता है। ख़राब वाहनों से निकलते धुंए का पान करने वाले और प्रदूषण बढ़ने पर चुप रहने वाले सिगरेट नहीं पिने की सलाह देने का दिन 'धूम्रपान नहीं दिवस' भी मार्च के महीने में ही मनाया जाता हैं। मार्च का महीना सरकार के लिए कर्ज लेकर भरे हुए खजाने को खाली करने का होता है। अलॉट की गई बजट की राशि लैप्स ना हो जाए इसलिए बाबू और अफसर फर्जी बिल बनाने में व्यस्त हो जाते हैं। बैंकों से कर्ज लेकर खेती करने वाला किसान भी इसी माह में सरकार से एमएसपी की उम्मीद लगाए बैठा रहता है। आसमान की तरफ टकटकी लगाएं रहता है कि ऊपर वाला मेहरबानी करे कि खेतों में खड़ी पर ओलों और बारिश से बचाएं।

ऐसा माना जाता है कि मार्च का महीना 'शेर की तरह आता और मेमने की तरह जाता है' कड़ाके की ठंड से शुरुआत होकर सुहाने मौसम से समाप्त होता है मार्च का महीना। यह उधार लेने और चुकाने का महीना भी होता है। बैंक वाले अपने टारगेट पूरा करने के लिए उधार लेने वालों को ढूंढते हैं, तथा वसूली के लिए भी अपना डंडा घुमाते हुए दीखते है। इसी महीने के आखिर में उन्हें अपने अगले प्रमोशन के लिए अच्छी सी. आर. लिखवाने के लिए अपने बॉस को जो खुश करना पड़ता है। जो लोग कर्ज लेकर घी पी रहे है उन्हें भी अपनी ईएमआई चुकाने के साथ इन्कमटैक्स बचाने के लिए इन्वेस्टमेंट की चिंता इसी माह ज्यादा सताती है। मार्च शुरू होते ही आपके द्वारा जगह -जगह रजिस्टर किये गए मोबाईल पर टैक्स चुकाने, बिल भरने के लिए मेसेज आना शुरू हो जाते है। स्कूल जाने वाले बच्चों के पालक को उनके रिजल्ट और अगली कक्षा के लिए किताबों को खरीदने की चिंता सताने लगती है तथा दूसरे खर्चों में कटौती करने को मजबूर होना पड़ता है। जो बच्चे अपने भविष्य की दलहीज पड़ खड़े है, उन्हें भी अपने भविष्य की चिंता में डूबे नजर आते है। ख़राब रिजल्ट के कारण छात्रों द्वारा खुदकुशी की खबरें अख़बारों में इसी माह सबसे ज्यादा पढ़ने में आती है। बच्चों को अच्छी शिक्षा की चिंता पालने वाले पालक अच्छे स्कूल में एडमिशन के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आते है। अख़बारों में साड़ियों, कपड़ों को स्टॉक खतम करने के साथ भारी छूट के बड़े- बड़े विज्ञापन छपने शुरू हो जाते, ऐसे अख़बारों को आप पढ़ने के बाद ऐसी जगह छीपा देते है कि उस पर घरवाली की नजर नहीं पड़े।

इस माह सबसे ज्यादा इंतजार और उत्सुकता उन दारू पिने के शौकीन लोगों को होती है, उनकी निगाहे आधे लाल और आधे हरे बोर्ड की दुकानें ढूंढ़ती रहती है कि कब स्टॉक ख़तम करने की सूचना और एक के साथ एक फ्री का बोर्ड दिखाई दें। कूलर,एसी और पंखों के विज्ञापनों से अख़बारों के पन्ने और टीवी के विज्ञापनों का समय भरा नजर आने लगता है। पंखे में रहने वाला कूलर, कूलर में रहने वाला एसी खरीदने की सोचने लगता है। नए मकान खरीदने पर रजिस्ट्री करवाने अगले वर्ष बढ़ने वाली स्टाम्प ड्यूटी को बचाने के लिए रजिस्टार ऑफिस में भीड़ बढ़ जाती है। सरकार को अपना खजाना भरने के लिए छुट्टी के दिन भी ऑफिस खोलने पड़ते है। सड़कों के मोड़ पर और चौराहे पर यातायात पुलिस वाले वाहनों की चेकिंग करते खड़े दिखने लगे तो समझो मार्च का महीना आ गया है। साल भर के टारगेट को पूरा जो करना होता है।ठंडी जगह घूमने जाने के शौकीन अपनी पैकिंग करना शुरू कर देते हैं। मौसम के करवट लेने से अनहेल्दी लोगों के बीमार होते ही डॉक्टरों का 'हेल्दी' सीजन शुरू हो जाता हैं। डॉक्टर के क्लीनिक और अस्पतालों में वेटिंग पीरियड बढ़ जाता है। डॉक्टर भी उन मच्छरों को धन्यवाद देने लगते है जिनकी इसी महीने में सक्रियता बढ़ने लगती है। सबसे ज्यादा दुखी वो गर्म कपड़े और सूट नजर आते हैं जिन्होंने ठंड के दिनों में शादियों और उत्सव में आपकी शान बढ़ाई तथा जिनके दम इठलाते हुये घूमते थे, फिर नो महीने ले लिए उन्हें संदूको और अलमारी में बंद कर दिए जाएगा ।

मार्च का महीना शुरू होते ही शहर में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निमंत्रण की बाढ़ सी आ जाती है। हर साहित्यकार का आग्रह उपस्थित रहने का होता। सृजन कर चुके फुर्सत में रहने वाले साहित्यकारों को मुख्य अतिथि, सारस्वत अतिथि अथवा अध्यक्षता के निवेदन एकाएक बढ़ने लगते है। आयोजनों के प्राप्त आत्मीय निमंत्रण पत्रों में चयन करना कठिन हो जाता है कि किस रचनाकार को उपकृत करें। सभी निमंत्रण पत्रों के अंत में एक पंक्ति अवश्य लिखी होती है 'संस्कृति विभाग के सहयोग से' इस पंक्ति को देखकर उन विज्ञापनों की याद आ जाती है जिनमें सितारे(*) के निशान के साथ लिखा होता है शर्ते लागू।

गणगौर पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

राजस्थान का लोकोत्सव है गणगौर पर्व

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलत: कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती हैं। विवाहिता एवं कुंवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती हैं। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रात: काल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

राजस्थानी परम्परा के लोकोत्सव अपने में एक विरासत को संजोए हुए हैं। राजस्थान को देव भूमि कहा जाय तो गलत नहीं होगा। यहां सभी सम्प्रदाय फले फूले हैं। यहाँ के शासकों ने विश्व कल्याण की भवना से अभिभूत होकर लोक मान्यताओं का सम्मान किया है। इसी कारण यहां सभी देवी-देवताओं के उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाये जाते हैं। गणगौर का उत्सव भी ऐसा ही लोकोत्सव है। जिसकी पृष्ठ भूमि पौराणिक है। समय के प्रभाव से उनमें शास्त्राचार के स्थान पर लोकाचार हावी हो गया है। परन्तु भाव भंगिमा में कोई कमी नहीं आई है।

गणगौर भी राजस्थान का ऐसा ही एक प्रमुख लोक पर्व है। लगातार 17 दिनों तक चलने वाला गणगौर का पर्व मूलतः कुंवारी लड़कियों व महिलाओं का त्यौहार है। राजस्थान की महिलाएं चाहे दुनिया के किसी भी कोने में हो गणगौर के पर्व को पूरी उत्साह के साथ मनाती हैं। विवाहिता एवं कुंवारी सभी आयु वर्ग की महिलायें गणगौर की पूजा करती हैं। होली के दूसरे दिन से सोलह दिनों तक लड़कियां प्रतिदिन प्रातःकाल ईसर-गणगौर को पूजती हैं। जिस लड़की की शादी हो जाती है वो शादी के प्रथम वर्ष अपने पीहर जाकर गणगौर की पूजा करती है। इसी कारण इसे सुहागपर्व भी कहा जाता है।

गणगौर एक प्रमुख त्यौहार है। यह मुख्य रूप से राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में मनाया जाता है। गणगौर दो शब्दों गण और गौर से बना है। इसमें गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ माता पार्वती से है। इस दिन अविवाहित कन्याएं और विवाहित स्त्रियां भगवान शिव, माता पार्वती की पूजा करती हैं। साथ ही उपवास रखती हैं। कई क्षेत्रों में भगवान शिव को ईसर जी और देवी पार्वती को गौरा माता के रूप में पूजा जाता है। गौरा जी को गवरजा जी के नाम से भी जाना जाता है। धर्मग्रंथों के अनुसार श्रद्धाभाव से इस व्रत का पालन करने से अविवाहित कन्याओं को इच्छित वर की प्राप्ति होती है और विवाहित स्त्रियों के पति को दीर्घायु और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में गणगौर उत्सव दो दिन तक धूमधाम से मनाया जाता है। सरकारी कार्यालयों में आधे दिन का अवकाश रहता है। ईसर और गणगौर की प्रतिमाओं की शोभायात्रा राजमहल से निकलती है। इनको देखने बड़ी संख्या में देशी-विदेशी सैनानी उमड़ते हैं। सभी उत्साह से भाग लेते हैं। इस उत्सव पर एकत्रित भीड़ जिस श्रद्धा एवं भक्ति के साथ धार्मिक अनुशासन में बंधी गणगौर की जय-जयकार करती हुई भारत की सांस्कृतिक परम्परा का निर्वाह करती है उसे देख कर अन्य धर्मावलम्बी भी इस संस्कृति के प्रति श्रृद्धा भाव से ओतप्रोत हो जाते हैं। ढूंढाड़ की भांति ही मेवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी सहित इस मरुधर प्रदेश के विशाल नगरों में ही नहीं बल्कि गांव-गांव में गणगौर पर्व मनाया जाता है एवं ईसर-गणगौर के गीतों से हर घर गुंजायमान रहता है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। गणगौर व्रत गौरी तृतीया चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि को किया जाता है। इस व्रत का राजस्थान में बड़ा महत्व है। कहते हैं इसी व्रत के दिन देवी पार्वती ने अपनी उंगली से रक्त निकालकर महिलाओं को सुहाग बांटा था। इसलिए महिलाएं इस दिन गणगौर की पूजा करती हैं। कामदेव मदन की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है। गणगौर पर्व पर विवाह के समस्त नेगचार व रस्में की जाती है।

होलिका दहन के दूसरे दिन गणगौर पूजने वाली लड़कियां होली दहन की राख लाकर उसके आठ पिण्ड बनाती हैं एवं आठ पिण्ड गोबर के बनाती हैं। उन्हें दूब पर रखकर प्रतिदिन पूजा करती हुई दीवार पर एक काजल व एक रोली की टिकी लगाती हैं। शीतलाष्टमी तक इन पिण्डों को पूजा जाता है। फिर मिट्टी से ईसर गणगौर की मूर्तियां बनाकर उन्हें पूजती हैं। लड़कियां प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में गणगौर पूजते हुये गीत गाती हैं -

गौर ये गणगोर माता खोल किवाड़ी, छोरी खड़ी है तन पूजण वाली।

गीत गाने के बाद लड़कियां गणगौर की कहानी सुनती है। दोपहर को गणगौर के भोग लगाया जाता है तथा कुएं से लाकर पानी पिलाया जाता है। लड़कियां कुएं से ताजा

पानी लेकर गीत गाती हुई आती हैं -

म्हारी गौर तिसाई ओ राज घाट्यारी मुकुट करो,
बीरमदासजी रो ईसर ओराज, घाटी री मुकुट करो,
म्हारी गौरल न थोड़ो पानी पावो जी राज घाटीरी मुकुट करो।

लड़कियां गीतों में गणगौर के प्यासी होने पर काफी चिन्तित लगती है एवं गणगौर को जल्दी से पानी पिलाना चाहती है। पानी पिलाने के बाद गणगौर को गेहूं चने से बनी घूघरी का प्रसाद लगाकर सबको बांटा जाता है और लड़कियां गीत गाती हैं -

म्हारा बाबाजी के माण्डी गणगौर, दादसरा जी के माण्ड्यो रंगरो झूमकड़ो,
ल्यायोजी - ल्यायो ननद बाई का बीर, ल्यायो हजारी ढोला झुमकड़ो।

रात को गणगौर की आरती की जाती है तथा लड़कियां नाचती हुई गाती हैं। गणगौर पूजन के मध्य आने वाले एक रविवार को लड़कियां उपवास करती हैं। प्रतिदिन शाम को क्रमवार हर लडकी के घर गणगौर ले जायी जाती है। जहां गणगौर का 'बिन्दौरा' निकाला जाता है तथा घर के पुरुष लड़कियों को भेंट देते हैं। लड़कियां खुशी से झूमती हुई गाती हैं -

ईसरजी तो पेंचो बांध गोराबाई पेच संवार ओ राज म्हे ईसर थारी सालीछां।

गणगौर विसर्जन के पहले दिन गणगौर का सिंजारा किया जाता है। लड़कियां मेहन्दी रचाती हैं। नये कपड़े पहनती हैं, घर में पकवान बनाये जाते हैं। सत्रहवें दिन लड़कियां नदी, तालाब, कुए, बावड़ी में ईसर गणगौर को विसर्जित कर विदाई देती हुई दुःखी हो गाती हैं -

गोरल ये तू आवड़ देख बावड़ देख तन बाई रोवा याद कर।

गणगौर की विदाई का बाद कई महिनो तक त्यौहार नहीं आते इसलिए कहा गया है-'तीज त्यौहारा बावड़ी ले डूबी गणगौर'। अर्थात् जो त्यौहार तीज (श्रावणमास) से प्रारम्भ होते हैं उन्हें गणगौर ले जाती है। ईसर-गणगौर को शिव पार्वती का रूप मानकर ही बालाऐं उनका पूजन करती हैं। गणगौर के बाद बसन्त ऋतु की विदाई व ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत होती है। दूर प्रान्तों में रहने वाले युवक गणगौर के पर्व पर अपनी नव विवाहित प्रियतमा से मिलने अवश्य आते हैं। जिस गोरी का साजन इस त्यौहार पर भी घर नहीं आता वो सजनी नाराजगी से अपनी सास को उलाहना देती है। 'सासू भलरक जायो ये निकल गई गणगौर, मोल्यो मोड़ों आयो रे'।

गणगौर महिलाओं का त्योहार माना जाता है इसलिए गणगौर पर चढ़ाया हुआ प्रसाद पुरुषों को नहीं दिया जाता है। गणगौर के पूजन में प्रावधान है कि जो सिंदूर माता पार्वती को चढ़ाया जाता है महिलाएं उसे अपनी मांग में सजाती हैं। शाम को शुभ मुहूर्त में गणगौर को पानी पिलाकर किसी पवित्र सरोवर या कुंड आदि में इनका विसर्जन किया जाता है।

आज आवश्यकता है इस लोकोत्सव को अच्छे वातावरण में मनाये। हमारी प्राचीन परम्परा को अक्षुण बनाये रखे। इसका दायित्व है उन सभी सांस्कृतिक परम्परा के प्रेमियों पर है जिनका इससे लगाव है। जो ऐसे पर्वो को सिर्फ पर्यटक व्यवसाय की दृष्टि से न देखकर भारत के सांस्कृतिक विकास की दृष्टि से देखने के हिमायती हैं।अब राजस्थान पर्यटन विभाग की वजह से हर साल मनाए जाने वाले इस गणगौर उत्सव में शामिल होने कई देशी-विदेशी पर्यटक भी पहुँचने लगे हैं।

मालवा महिला कबीर यात्रा

सोनम कुमारी

आवाज़ों, परंपराओं और प्रतिरोध की यात्रा

पिछले तीन वर्षों में यह पहल मालवा के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की गई, और हर साल इस यात्रा में लगभग 50 कलाकारों और 100 यात्रियों की सहभागिता रही है। इस वर्ष हमने इस यात्रा को मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों तक विस्तार देने का प्रयास किया। इस यात्रा का केंद्र महिलाओं-खासकर ग्रामीण और हाशिए की कलाकारों की आवाज़ को सामने लाना रहा। 'हेलियों' ने अपने गीतों के माध्यम से जीवन, श्रम, पहचान और संघर्ष की कहानियाँ साझा कीं। इस वर्ष यात्रा में अभिव्यक्ति के नए रूपों को शामिल किया गया, जिनमें पारंपरिक गायन के साथ रैप, जलसा और महिलाओं द्वारा लिखे गए कृषि गीत प्रमुख रहे। इन प्रस्तुतियों ने रोज़मर्रा के अनुभवों को सार्वजनिक मंच पर लाकर एक नई पहचान दी।

एक कलव्य फाउंडेशन 2023 से 'धरती की बानी हेलियों की जुबानी' के जरिए महिला गायिकाओं के लिए एक साझा मंच बना रहा है। यह पहल उनके पुराने काम 'कबीर विचार मंच' का विस्तार है, जहाँ पहले महिलाओं की भागीदारी सीमित थी। रोज़मर्रा के जीवन में भजन गाने वाली महिलाओं को मंच और अपनी बात रखने का अवसर कम मिलता था। इसी ज़रूरत से इस मंच की शुरुआत हुई।

यहाँ कबीर, मीराबाई, रैदास, बुल्ले शाह, लालन फकीर, निर्गुण और सूफी परंपरा के साथ-साथ महिलाओं द्वारा लिखे जीवन, प्रेम, श्रम, राजनीति और संघर्ष के गीतों को भी जगह मिलती है।

पिछले तीन वर्षों में यह पहल मालवा के विभिन्न हिस्सों में आयोजित की गई, और हर साल इस यात्रा में लगभग 50 कलाकारों और 100 यात्रियों की सहभागिता रही है। इस वर्ष हमने इस यात्रा को मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों तक विस्तार देने का प्रयास किया।

इस यात्रा का केंद्र महिलाओं–खासकर ग्रामीण और हाशिए की कलाकारों की आवाज़ को सामने लाना रहा। 'हेलियों' ने अपने गीतों के माध्यम से जीवन, श्रम, पहचान और संघर्ष की कहानियाँ साझा कीं। इस वर्ष यात्रा में अभिव्यक्ति के नए रूपों को शामिल किया गया, जिनमें पारंपरिक गायन के साथ रैप, जलसा और महिलाओं द्वारा लिखे गए कृषि गीत प्रमुख रहे। इन प्रस्तुतियों ने रोज़मर्रा के अनुभवों को सार्वजनिक मंच पर लाकर एक नई पहचान दी।

धरती की बानी, हेलियों की जुबानी - मालवा महिला कबीर यात्रा इस वर्ष 12 से 15 मार्च तक आयोजित हुई। यात्रा की शुरुआत रतिबंदर (सुक्तवा, केसला) के छोटे से गाँव से हुई, जो होशंगाबाद और औबेदुल्लागंज होते हुए 15 मार्च को भोपाल में सम्पन्न हुई। चार दिनों की यह यात्रा अलग-अलग स्थानों, भाषाओं और अनुभवों को जोड़ते हुए एक सशक्त सांस्कृतिक संवाद बनकर उभरी।

नर्मदा महिला संगठन ने महिला किसानों के गीतों के जरिए खेती और श्रम के अनुभवों को स्वर दिया, जबकि 'हाशिये से' समूह ने प्रेम और प्रतिरोध के गीतों के माध्यम से गहरी संवेदना और ताकत को सामने रखा।

सीता बाई, स्लीम बाई और गीता पराग ने कबीर को मालवा शैली में प्रस्तुत कर

लोक परंपरा को जीवंत बनाया। वहीं माही जी और आशा गोंड ने आदिवासी पहचान और अधिकारों पर केंद्रित गीतों के जरिए सामाजिक सवालों को मजबूती से उठाया।

कार्यक्रम में प्रीति, लक्ष्मी, सोरम बाई, सीता बाई और सुनीता गंगोलिया ने मालवी और राजस्थानी लोकगीत प्रस्तुत किए। उनके गीतों में विभिन्न समुदायों के जीवन की झलक थी, जो सीधे लोगों के अनुभवों से जुड़ी हुई थी। इसके साथ ही गुजरात से देवगढ़ महिला संगठन, मुंबई से रमाई मंच और बंजारन सिस्टर्स ने भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से इस मंच को और व्यापक बनाया।

अनुभूति ने बच्चों के लिए नज़ीर अकबराबादी की रचनाएँ प्रस्तुत कीं। नादर नूर ने पंजाबी में और दीपांजलि ने असमिया लोकगीतों के माध्यम से इस मंच को और समृद्ध किया। यात्रा की एक विशेषता इसकी भाषाई और प्रस्तुति की विविधता भी रही।

इन सभी प्रस्तुतियों में कबीर, मीराबाई, रैदास और तुकाराम की परंपरा से प्रेरित गीतों के साथ-साथ डॉ. आंबेडकर के विचार, प्रेम और विरह, आदिवासी पहचान और महिलाओं के संघर्ष से जुड़े कई स्वरचित गीत भी शामिल रहे। इस विविधता ने यात्रा को केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि विचार और संवाद का मंच बना दिया।

15 मार्च को भोपाल में इसका समापन हुआ, लेकिन यह यात्रा अपने साथ कई संवाद और जुड़ाव छोड़ गई।

पूरी यात्रा में प्रेम, प्रतिरोध और लगाव की भावनाएँ एक साथ उभरती रहीं। यह यात्रा अलग-अलग समुदायों और स्थानों तक पहुँचकर लोगों को जोड़ने का माध्यम बनी। धरती की बानी, हेलियों की जुबानी यह दर्शाती है कि कला जीवन से जुड़ी हुई है और समाज को समझने व बदलने की ताकत रखती है। यह यात्रा विविध आवाज़ों, रूपों और भाषाओं को एक साथ लाकर एक मजबूत सांस्कृतिक पहल के रूप में सामने आई। लोकसंगीत के माध्यम से इसने बराबरी, सम्मान और एकजुटता का संदेश और अधिक सशक्त किया।

नवरात्रि

सपना सी.पी. साहू स्वप्निल

शक्ति उपासना और खंडित होती नारी गरिमा

चैत्र प्रतिपदा वह दिवस है जिसमें सृष्टि के कण-कण में नव-पल्लव प्रस्फुटित होते हैं और प्रकृति अपने पुराने वस्त्र त्यागकर नवीन परिधान धारण करती है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के साथ हिंदू नववर्ष का आगमन होता है। यह केवल तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि काल-चक्र की एक ऐसी संधि है जहां आध्यात्मिकता, खगोल विज्ञान और सामाजिक परिवर्तन का अद्भुत संगम होता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि और नव-संवत्सर का यह मिलन जहां ब्रह्मांडीय ऊर्जा को ऊर्जस्वित कर रहा है, वहीं समाज की आधी आबादी, नारी सुरक्षा और गिरते नैतिक मूल्यों पर गहरे आत्म-मंथन की मांग भी कर रहा है। भारतीय कालगणना के अनुसार, चैत्र प्रतिपदा ही वह दिन है जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना का शुभारंभ किया था। नवरात्रि के नौ दिन शक्ति की उपासना के महापर्व हैं। हम यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः का उद्घोष करने वाली संस्कृति के संवाहक हैं। मार्कंडेय पुराण के देवी सप्तशती में उल्लेख है कि पौराणिक काल में मां दुर्गा ने केवल देवताओं का सिंहासन बचाने के लिए ही शस्त्र नहीं उठाए थे, बल्कि उन असुरों का संहार किया था जिन्होंने नारी की गरिमा पर कुदृष्टि डाली थी। महिषासुर से लेकर शुंभ-निशुंभ तक का वध इस बात का प्रमाण है कि नारी की शुचिता और सम्मान से समझौता ईश्वर को भी स्वीकार नहीं है।

परन्तु एक कड़वा सच यह है कि महिला सशक्तीकरण के इस दौर में एक गंभीर संकट स्वच्छंदता का भी उभरा है। जहां एक ओर भारतीय नारी अपनी योग्यता से हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है, वहीं कुछ महिलाएं सोशल मीडिया के दौर में वायरल होने की अंधी दौड़ में अश्लीलता को ही आधुनिकता मान बैठी हैं। पूर्व में बॉलीवुड और मॉडलिंग करियर तक सीमित यह मर्यादाहीनता अब सोशल मीडिया के माध्यम से आम युवतियों तक पहुंच गई है। ऐसी सामग्री परोसी जा रही है जो भारतीय नारी की गरिमापूर्ण छवि को गहरी ठेस पहुंचाती है। यह विचारणीय है कि जिस नारी को समाज साक्षात देवी का स्वरूप मानता है, जब वह स्वयं को मात्र डिजिटल कंटेंट और देह-प्रदर्शन की वस्तु बनाकर प्रस्तुत करती है, तब वह अपनी ही गरिमा को खंडित करती है। देवी ने असुरों का नाश इसलिए किया था ताकि समाज में शुचिता और मर्यादा बनी रहे। आज की कुछ तथाकथित सशक्त नारियों द्वारा प्रदर्शित यह आचरण न केवल संस्कारों का अपमान है, बल्कि यह उन संघर्षों को भी कमजोर करता है जो महिलाओं की वास्तविक समानता के लिए लड़े जा रहे हैं।

इन गतिविधियों के दुष्परिणाम स्वरूप समाज में भयावह आंकड़े सामने आ रहे हैं। आज के दौर में असुर का स्वरूप बदल गया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़े बताते हैं कि जिस समाज में हम कन्या पूजन करते हैं, वहीं महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की बाढ़ आई हुई है। देश में हर साल बलात्कार, छेड़खानी, घरेलू हिंसा और छद्म विवाह के लाखों मामले दर्ज हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत में औसतन हर 15-20 मिनट में एक बलात्कार की घटना दर्ज होती है। छेड़खानी और पीछा करने की अनगिनत घटनाएं तो लोक-लाज के भय से दर्ज तक नहीं हो पातीं। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम शक्ति पर्व में देवी की आराधना कर रहे हैं और दूसरी ओर हमारी बेटियां सड़क पर निकलते हुए असुरक्षित महसूस करती हैं। चैत्र नवरात्रि का यह पर्व तब तक सार्थक नहीं होगा जब तक समाज का हर पुरुष अपने भीतर के पाशविक दृष्टिकोण को त्यागकर नारी को भोग की वस्तु के बजाय सम्मान की दृष्टि से देखना शुरू नहीं करेगा। साथ ही, जो युवतियां सोशल मीडिया पर अमर्यादित सामग्री परोस रही हैं, उन्हें आत्म-संयम बरतना होगा। यदि वे स्वयं ऐसा नहीं करतीं, तो सरकार को ओटीटी प्लेटफॉर्म, इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम जैसे माध्यमों पर निगरानी हेतु सख्त कानून बनाने चाहिए।

चैत्र नवरात्रि का संदेश संयम और शुद्धि है। इस सनातन नववर्ष पर हमें दोहरे मोर्चे पर लड़ना होगा। हम केवल पुरुषों से दृष्टि बदलने का आह्वान नहीं कर सकते, क्योंकि आधुनिकता के नाम पर स्त्रियां भी अंग-प्रदर्शन और अनर्गल व्यवहार करती दिख रही हैं। नारी, जो सबकुछ सुंदर, सुव्यवस्थित और संस्कारित करने की क्षमता रखती है, उसे समझना होगा कि आधुनिकता का अर्थ मर्यादाहीनता नहीं है। युवतियों को शिक्षा, तकनीक और आत्मनिर्भरता को अपना हथियार बनाना चाहिए, न कि देह-प्रदर्शन को। अंततः चैत्र नवरात्रि और हिंदू नववर्ष का यह पावन अवसर हमें संकल्पित होने का संदेश देता है। यह समय नारी की उस ऊर्जा को नमन करने का है, जो विवेकपूर्ण नेतृत्व कर रही है। नारी का बदलता स्वरूप वास्तव में मां शक्ति का ही आधुनिक अवतार है, लेकिन इस अवतार में संस्कार और मर्यादा का कवच अनिवार्य है। आइए, इस नव-संवत्सर पर हम केवल कैलेंडर न बदलें, बल्कि अपनी सोच बदलें। जब नारी स्वयं अपनी गरिमा की रक्षक बनेगी और पुरुष उसकी स्वायत्तता का सम्मान करेगा, तभी सर्वे भवन्तु सुखिनः का स्वप्न साकार होगा।

वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में 11 अप्रैल को रोजगार मेला आयोजित

करियर काउंसलिंग भी होगी

धार। युवाओं को रोजगार के साथ सही दिशा देने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय के मार्गदर्शन में श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, गुमास्ता नगर इंदौर में 11 अप्रैल को निःशुल्क श्री वैष्णव करियर काउंसलिंग एवं रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।

मेले का आयोजन सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया जाएगा, जिसमें 1500 से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। रोजगार मेला प्रभारी डॉ. राकेश उपाध्याय ने बताया कि मेले में केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वरोजगार एवं स्टार्टअप से जुड़ा मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। साथ ही, जो विद्यार्थी 12वीं के बाद अपने करियर को लेकर कन्फ्यूज रहते हैं, उनके लिए विशेष करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिससे वे सही दिशा चुन सकें। मेले में 75 से अधिक कंपनियां एवं स्कूल भाग ले रहे हैं, जिससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में अवसर मिलेंगे। प्रबंधन वर्ग से अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता, सचिव महेश चिमनानी एवं प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने इस आयोजन को युवाओं के लिए उपयोगी बताते हुए इसमें उत्तम संभावनाएं व्यक्त की हैं। अध्यक्ष अरविन्द गुप्ता ने बताया कि ' कॉलेज में इस प्रकार का रोजगार मेला हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिससे हजारों की संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं'। आयोजकों के अनुसार, यह मेला युवाओं को रोजगार के साथ-साथ उनके करियर को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रानी पिपरिया राज्य मार्ग चक्काजाम

आखिर ग्रामीणों का गुस्सा क्यों फूटा कि स्कूली बच्चों सहित मातृशक्ति भी सड़क पर बैठीं

सोहागपुर। सोहागपुर विधानसभा के अंतर्गत एवं सोहागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रानी पिपरिया में विगत दिवस विद्युत विभाग की दोहरी नीति के कारण ग्रामवासियों का गुस्सा फूट पड़ा था कि क्या स्कूली बच्चे, क्या युवक, युवतियां, क्या महिलाएं क्या पुरूष सभी अचंभित थे।कि विधुत विभाग के कर्मचारियों ने दोहरी नीति अपनाकर बड़े धन्नयाड एवं सत्ता पक्ष के नागरिकों को छोड़कर गरीबों के बिजली बिल जमा नहीं होने पर बिजली काट दी गई। इसी के परिणामस्वरूप नर्मदापुरम पिपरिया राज्य

मार्ग 22 पर चक्काजाम कर दिया गया था। बिजली काटने जाने के कारण न तो ग्राम में महिलाओं को पानी मिला । इसी कारण महिलाएं बर्तन ले लेकर सड़क पर बैठीं। बिजली काटने का असर यह रहा कि परीक्षाओं के समय विद्यार्थी पढ़ नहीं पाए । तो स्कूली पोशाक में ही चक्काजाम में पहुंच गए। यहां प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी होती रही। हालांकि विधुत विभाग ने बिजली तो जोड़ दी तभी चक्काजाम ग्रामीणों ने खोला। लेकिन बाद विद्युत विभाग ने कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटेल सहित कई नागरिकों पर मामला विधुत विभाग अधिकारियों के आवेदन पर कर दिया। लेकिन अधिकारियों ने ऐसा करके कांग्रेस के वोट बैंक को बढ़ाने में ही मदद कर दी। क्योंकि अभी नागरिक सब भूल जाएं। लेकिन चुनावों के समय सात पीढ़ियों के भी गड़े मुर्दे उखाड़ते है। इस में दो राय नहीं है। पुलिस में मामला दर्ज होने के उपरांत इस प्रतिनिधि से चर्चा करते पुष्पराजसिंह पटेल ने कहा कि वे किसी गयी में ग्राम मालवाड़ा जा रहे थे। रास्ते में चक्काजाम देखा। हमने ग्रामीणों से पूछा आखिर चक्काजाम क्यों है। उनकी वास्तविकता जानी इस कारण मेरी ग्रामीणों के साथ सहानुभूति है।

ओलावृष्टि से तबाह फसलों पर तुरंत मुआवजा दे सरकार: निलय डागा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लंबित क्लेम 15 दिन में निपटाने की मांग

बैतूल। कांग्रेस जिला अध्यक्ष निलय डागा ने मुलताई सहित जिले में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से तबाह हुई फसलों को लेकर सरकार से तुरंत मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेज हवाओं, बारिश और ओलावृष्टि से कई गांवों में खड़ी फसल को भारी नुकसान हुआ है, राहत देने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से बिना समय गंवाए प्रभावित गांवों का सर्वे शुरू करने और सर्वे पूरा होने के बाद 10 दिन के भीतर किसानों को राहत राशि देने की मांग की है। निलय डागा ने कहा कि अचानक बदले मौसम और ठंडी हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। जिले में कई जगह फसल पूरी तरह खराब हो गई है, जबकि कई खेतों में फसल गिरकर बर्बाद हो चुकी है। गुरुवार रात बैतूल के आसपास के क्षेत्रों में भी हुई बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि इस प्राकृतिक आपदा ने किसानों को आर्थिक रूप से बड़ा झटका दिया है। सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि हर साल आपदा के समय किसानों को आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जमीन पर राहत नहीं मिलती। उन्होंने मांग की कि जिन गांवों में फसल को नुकसान हुआ है, वहां तुरंत सर्वे टीम भेजी जाए और राहत प्रक्रिया में देरी न हो। निलय डागा ने विशेष राहत पैकेज के तहत प्रभावित किसानों को आपदा राहत देने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लंबित क्लेम का 15 दिन के भीतर निपटारा करने की मांग भी रखी।

दूषित पानी का मामला, दानवाखेड़ा गांव भेजी प्रशासन ने बोरिंग मशीन, अब ग्रामीणों को हैंडपंप से मिलेगा साफ पानी

दूषित पानी पीने से दो बच्चों की हो चुकी थी मौत, कई लोग खुजली से थे पीड़ित, स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया गांव का दौरा

बैतूल। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के आदिवासी गांव दानवाखेड़ा में शुक्रवार को हैंडपंप खोदने के लिए बोरिंग मशीन पहुंची। करीब 25 वर्षों के संघर्ष के बाद प्रशासन के माध्यम से गांव में पीने के पानी की मूलभूत सुविधा हो सकेगी। बोरिंग होने से गांव में खुशी का माहौल है। श्रमिक आदिवासी संगठन के राजेन्द्र गढ़वाल, अनुराग मोदी ने इसे आम व्यक्ति के अधिकार की जीत करार देते हुए मीडिया का धन्यवाद भी किया। गौरतलब है कि दानवाखेड़ा गांव की जिरिया का पानी पीकर ग्रामीण लोग खुजली व अन्य बीमारियों से ग्रसित हो रहे थे, ग्रामीणों ने साफ पानी की मांग को लेकर कलेक्टर व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत की थी। ग्रामीणों की इस समस्या को विभिन्न अखबारों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद प्रशासन जागा और गांव में बोरिंग मशीन भेजी गई। इससे अब यहां हैंडपंप लग सकेगा और ग्रामीणों को साफ पानी मिल सकेगा। श्रमिक आदिवासी संगठन के राजेन्द्र गढ़वाल, अनुराग मोदी ने कहा कि गांव की एकता और मीडिया के सहयोग के कारण हमारी मांगें पूरी हो सकी है। गौरतलब है कि ग्रामीणों के एक दल ने गत 20 जनवरी को

श्रमिक आदिवासी संगठन एवं समाजवादी जन परिषद के नेतृत्व में उप जिला दंडाधिकारी एवं अतिरिक्त कलेक्टर से मिलकर प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा था। जिसमें बताया गया था कि दूषित पानी के कारण 2 माह से गांव के लोग खुजली के प्रकोप से जूझ रहा थे। इस पर प्रशासन ने साफ पानी की व्यवस्था बनाने का आश्वासन दिया था। 20 जनवरी से अब तक प्रशासन, वन विभाग से अनुमति लेने की बात कर टालमटोल कर रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने गाँव का दौरा किया और साफ पानी की व्यवस्था करने के लिए गाँव में हैंडपंप खोदने का ग्रामीणों को आश्वासन भी दिया था। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से खुदाई हेतु ट्रक पहुँच मार्ग श्रमदान से तैयार करने के लिए कहा। उसके बाद ग्रामीणों व्दारा सडक़ का निर्माण कार्य पूरा किया गया। दूषित पानी के चलते विगत 2 माह से यह गाँव खुजली के प्रकोप से पीडित है, इसमें 2 नन्हे-मुन्ने बच्चों की मौत भी हो गई थी। हाल ही में गांव दो दर्जन बच्चों समेत अन्य लोगो के बीमार होने पर शुक्रवार को प्रशासन ने यहां पर बोरिंग मशीन भेजी। अब यहां हैंडपंप लग जाने से ग्रामीणों को दूषित पानी से निजात मिल जाएगी।

सीएमएचओ ने ग्राम दानवाखेड़ा में खुजली एवं अन्य बीमारियों से प्रभावित मरीजों के उपचार की ली जानकारी

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने ग्राम दानवाखेड़ा में खुजली एवं अन्य बीमारियों से प्रभावित मरीजों के उपचार की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने भर्ती मरीजों के उपचार एवं देखभाल को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वर्तमान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में ग्राम दानवाखेड़ा के कुल 6 मरीज मंगल पिता सेखलाल उम्र 38, कस्तूरी पति मंगल उम्र 35, सतीश पिता मंगल उम्र 04, मुन्नी पिता मंगल उम्र 08, रीना पिता मंगल उम्र 06 और गीता पिता मंगल सेलुकर उम्र 3 माह उपचार के लिए भर्ती है। सभी मरीज खुजली की बीमारी से ग्रसित हैं, जिनकी स्थिति सामान्य है। इसके

अलावा उन्होंने ओपीडी, एएनसी एवं पीएनसी वार्ड का निरीक्षण कर अन्य मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की स्थिति सामान्य पाई गई। बता दे कि हरिभूमि समाचार पत्र ने 18 मार्च को सबसे पहले इस खबर का प्रकाशन किया था। जिसके बाद प्रशासन ने उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम को गांव में भेजा। जहां पीड़ितों का उपचार किया गया।

पन्ना राष्ट्रीय अधिवेशन में बैतूल का बढ़ा मान, कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित

पत्रकार कल्याण परिषद के 18वें स्थापना दिवस पर देशभर के पत्रकार जुटे

बैतूल। पन्ना में आयोजित पत्रकार कल्याण परिषद के 18वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय अधिवेशन में बैतूल जिले का गौरव बढ़ाते हुए जिला अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री को उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया। पन्ना के टाउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से आए पत्रकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया, वहीं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों और समाजसेवियों को शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी उपस्थित रहे। अध्यक्षता सैयद मेहमूद अली चिश्ती ने की, जबकि वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र पांडे, सवर्ण कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अजय तिवारी एवं वैश्य महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज केसरवानी विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में वेदांती त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारिता एक चुनौतीपूर्ण कार्य है, यह केवल व्यवसाय नहीं बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी है। उन्होंने पत्रकारों के बढ़ते शोषण पर चिंता व्यक्त करते हुए संगठन के माध्यम से अधिकारों की लड़ाई को और मजबूत करने की बात कही। वहीं मेहमूद अली चिश्ती ने पत्रकारों को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि समाज में बदलाव और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में पत्रकारों की अहम भूमिका है। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया, जिसमें बैतूल, हरदा, होशंगाबाद, सतना, छतरपुर, सागर, अनूपपुर सहित कई जिलों के प्रतिनिधि शामिल रहे। विशेष रूप से बैतूल जिला अध्यक्ष कैलाश प्रसाद अग्निहोत्री को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया जाना कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा। कार्यक्रम में समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। साथ ही रवि मिश्रा एवं श्री कुमार कपूर स्मृति सम्मान के तहत उत्कृष्ट पत्रकारों को नगद पुरस्कार एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। अधिवेशन में देशभर के पत्रकारों की व्यापक भागीदारी रही, जिससे संगठन की एकजुटता और मजबूती का संदेश भी स्पष्ट रूप से सामने आया।

आमला विधायक डॉ. पंडाग्रे ने ग्राम बेहडी में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का किया भूमिपूजन

14 गांवों को मिलेगी बेहतर विद्युत आपूर्ति

बैतूल। बैतूल- ग्राम बेहडी में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने 20 मार्च को 33/11 केवी 5 एमव्हीए विद्युत उपकेंद्र का भूमि पूजन किया। इस उपकेंद्र की लागत 2.50 करोड़ रुपये है और इसकी क्षमता 5 एमव्हीए है। इस उपकेंद्र से 03 नम्बर पम्प कृषि फीडर और 01 नम्बर घरेलू फीडर के माध्यम से लगभग 14 गांवों को विद्युत आपूर्ति की जाएगी, जिनमें बेहडी, बारंगवाडी, मंगारा, कोठिया, चिखलार, नरेरा, मुवारिया, गजाढाना, रेंगाढाना, सरेकाडोल, भुमकाढाना, भुड़काल ढाना, मोहन ढाना और जमदेही कला शामिल हैं।

इस अवसर पर आमला विधायक डॉ पंडाग्रे ने कहा कि इस उपकेंद्र से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और ग्रामीणों को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी। कार्यक्रम में नरेंद्र गड़ेकर, सतीश हारोडे, यशवंत यादव, महेश मर्सकोले, अशोक नागले, जनपद सदस्य सीमा रतन धुर्वे, रवि सूर्यवंशी, माखन उईके, मनोज विश्वकर्मा, भररु यादव और विद्युत विभाग के एई श्री डोंगरे, जेई श्री चंदेलकर, डीई श्री बुसारे सहित ग्रामीण उपस्थित थे। इसके अलावा आमला विधायक डॉ. पंडाग्रे ने ग्राम जमदेही कला में जनजातीय बस्ती विकास योजना से स्वीकृत सीसी रोड का भूमि पूजन किया और ग्राम हसलपुर में मुख्यमंत्री विशेष निधि से स्वीकृत सामुदायिक भवन का भी भूमि पूजन किया।

आज शाम जिले में 640 एचपीवी टीकाकरण

सोहागपुर। प्रदेश सरकार की मंशानुसार एचपीवी वैक्सीन 14 वर्ष से अधिक और 15 वर्ष से कम आयु किशोरियों टीकाकरण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में आज शाम 4.30 बजे जिले के बनखेड़ी में 50, डोलरिया 65 होशंगाबाद में84 इटारसी में 32सुखतवा में 64, माखननगर में 38 पिपरिया में 130 सिवनी मालवा में 95 सोहागपुर में 82 कुल 640 एचपीवी वेक्सीनेसन किए गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एचपीवी वेक्सीनेसन के समय टीकाकरण करवाते समय किशोरियों ने मातृशक्ति से आव्हान किया कि वे अपनी बच्चियों को एचपीवी वेक्सीनेसन अवश्य करवाएं। ब्लाक मेडीकल आफीसर डॉ रेखा गौर ने नागरिकों एवं मातृशक्ति से आव्हान किया है कि 15 साल की किशोरियों को एचपीवी वेक्सीनेसन करवाएं। ताकि उसको गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके।

सोहागपुर विधानसभा चुनाव में

कांग्रेस प्रत्याशी रहे पुष्पराज पटेल एवं ग्रामीणों पर चक्काजाम करने पर मुकदमा दर्ज

सोहागपुर। ग्राम रानी पिपरिया में बिजली काटने के विरोध में प्रदर्शन एवं चक्काजाम करने के आरोप में सोहागपुर विधायक चुनाव प्रत्याशी रहे कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटेल एवं ग्रामीणों पर पुर रास्ता रोकने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया थाना सोहागपुर के ग्राम रानी पिपरिया में ग्रामीणों के द्वारा किए गए चक्का जाम में सोहागपुर पुलिस ने विक्रांत धुर्वे सहायक प्रबंधक मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड वितरण केंद्र पिपरिया ग्रामीण उत्तर (मध्य प्रदेश शासन का उपक्रम) बिजली विभाग पिपरिया उत्तर ग्रामीण के कार्यालयीन पत्र के पालन में पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें आरोप लगाया है कि पुष्पराज पटेल कांग्रेस नेता सोहागपुर,चंदन सिंह कुशवाहा, धनराज कुशवाहा, मिश्रीलाल कुशवाहा, ख्याली कुशवाहा, कामता प्रसाद नागवंशी, जीवन ठाकुर सभी निवासी रानी पिपरिया एवं अन्य ग्रामीण जनों के विरुद्ध दर्ज में कहा गया है कि ग्राम रानी पिपरिया मैं घरेलू विद्युत देयक का बकाया 48 लाख 88 हजार रुपए होने पर दिनांक 17.3.26 को सहायक यत्री एवं संबंधित क्षेत्र के लाइन कर्मचारियों के द्वारा मध्य प्रदेश की समाधान योजना के अंतर्गत वसूली कैंप लगाया था तथा डोर टू डोर वसूली की कार्रवाई की गई थी । ग्रामवासियों द्वारा विद्युत देयक की राशि बकाया जमा न करने के उपरांत 100त्र बकाया वाले 04 नंबर ट्रांसफार्मर की सप्लाई बंद कर दी गई थी। दिनांक 18. मार्च 2026 को हाईवे रोड पिपरिया नर्मदापुरम में ग्राम रानी पिपरिया में रोड पर लकड़ी एवं अन्य सामग्री के साथ ग्रामवासी महिला पुरुष एवं अन्य लोगों के द्वारा बीच रोड पर बैठकर चक्का जाम कर दिया गया था। चक्का जाम में प्रमुख तौर पर उक्त लोग उपस्थित थे। जिससे यातायात बाधित हुआ एवं आने जाने वाले आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।इस परिपत्र के आधार पर पुलिस ने उक्त सभी के खिलाफ धारा 126(2),3(5) बी.एन.एस. का प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

महिला पुलिस थाना धार ने आपस में सुलह करा कर परिवार को जोड़ने का किया प्रयास

धार। महिला पुलिस थाना धार ने आपस में सुलह करा कर परिवार को जोड़ने का प्रयास किया। पुलिस उप महानिरीक्षक - पुलिस अधीक्षक धार मयंक अवस्थी के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार विजय डावर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धार (उत्तर) पारुल बेलापुरकर के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक धार आनंद तिवारी द्वारा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्रवाई करने एवं पति-पत्नी के पारिवारिक मामूली विवादों में दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर समझाइश (काउंसलिंग) के माध्यम से रिश्तों को टूटने से बचाने हेतु महिला थाना प्रभारी को विशेष रूप से निर्देशित किया गया।

इसी क्रम में महिला थाना धार में आवेदिका सीता (परिवर्तित नाम) द्वारा एक शिकायत आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उल्लेख किया गया कि आवेदिका की शादी समाज के जाति रिति रिवाज से दो साल पहले हुई थी तथा अभी उनकी कोई संतान नहीं है। पति आयेदिन

छोटी छोटी बात को लेकर शंका करके उसके साथ लड़ाई झगड़ा कर, मारपीट करता है तथा पति शंकालु प्रवृत्ति का होकर पत्नी को परेशान करता तथा गाली गुप्ता करता है और पति द्वारा गाली गलौच कर मारपीट करके घर से भगा दिया है इस संबंध में शिकायत की गई थी।

महिला थाना प्रभारी द्वारा उक्त शिकायत की जांच प्रधान आरक्षक रतनसिंह कटारे को सौंपी गई तथा त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए महिला पुलिस टीम द्वारा तत्काल दोनों पक्षों को थाने बुलाकर अलग अलग परिवार के साथ समझाया गया। परिवार के महत्व को समझाते हुए साथ रहकर जीवन व्यतीत करने हेतु भरसक प्रयास किया गया।

परिणामस्वरूप दोनों पक्षों के मध्य आपसी सुलह हो गई। पति द्वारा अपनी पत्नी को किसी भी प्रकार से शंका नहीं करेगा तथा वाद विवाद, लड़ाई झगड़ा नहीं करेगा और गाली गलौच व मारपीट नहीं करेगा। पत्नी से प्रेम पूर्वक रहेगा और पति धर्म का पालन करेगा। इस प्रकार पति द्वारा आश्वासन दिया कि पत्नी को भविष्य में पूरे सम्मान के साथ रखेगा।

महिला पुलिस टीम धार द्वारा टूटते रिश्तों को बचाने हेतु इस प्रकार के प्रयास लागातार जारी रहेंगे।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक क्लेर डामोर, सउनि रामसिंह गौर, सउनि अनिता चौहान, प्रधान आरक्षक रतन कटारे, एवं आरक्षक राकेश देवल की विशेष भूमिका रही।

दाऊदी बोहरा समाज ने ईद उल फितर पर्व मनाया

सोहागपुर। नगर के प्रतिष्ठित दाऊदी बोहरा समाज के परिवारों ने ईद उल फितर पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर दाऊदी बोहरा समाज की मस्जिद में ईद उल फितर पर्व की नमाज अता की गई। नमाज़ इमाम मुल्ला मुस्तनसिर ने ईद उल फितर पर्व की विशेष कुतबा पढ़ा गया। इसी अवसर पर सभी उपस्थित सजातीय बन्धुओं ने दुनिया में अमन शांति की दुआ मांगी गई। इस मौके पर इस्माय शेख शब्बीर अली, मुल्ला मुफदल अली , सफदर अली, डॉ. जोएब अली, अब्बास अली, यूसुफ अली, अलीअसगर अली, जुजर अली, मुर्तजा अली, बुरहानुद्दीन अली आदि सजातीय बन्धु उपस्थित थे। आपने नगरवासियों को भी ईद उल फितर पर्व की बधाईयां दी।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर तथा एसपी ने कंकाली मंदिर पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा बुधवार को जिले के प्रसिद्ध मॉ कंकाली मंदिर पहुंचकर नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इसके पूर्व उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा नागरिकों की खुशहाली और कल्याण की कामना की। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एसडीएम श्री चन्द्रशेखर श्रीवास्तव से श्रृद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत आगमन-निर्गमन, यातायात व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए दिशा-निर्देश दिए।

जिला बदर का आदेश जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक के पालन प्रतिवेदन पर एक प्रकरण में जिला बदर के आदेश जारी कर दिए है। जारी आदेश में उल्लेख है कि विभिन्न अपराधों में लिप्त अनावेदक संजय नामदेव उर्फ गांधी पिता स्व0 नारायण प्रसाद नामदेव उम्र 44 साल निवासी काम्प्लेक्स के पास लुंहागी मोहल्ला विदिशा थाना कोतवाली विदिशा के विरूद्ध मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही एक साल के लिए की गई है। उक्त अवधि में विदिशा जिला एवं सीमावर्ती जिला रायसेन, भोपाल, गुना, अशोकनगर, सागर, राजगढ़ की राजस्व सीमा से एक साल की कालावधि के लिए उसे निष्कासित किया गया है।

सशक्त वाहनी की कक्षा में निर्वाचन प्रक्रिया पर हुई प्रश्नोत्तरी

विदिशा (निप्र)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत संचालित सशक्त वाहनी की कक्षा में आज परियोजना अधिकारी श्री संजय सिंह द्वारा बालिकाओं को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कक्षा के दौरान श्री सिंह ने बालिकाओं के ज्ञान स्तर का आकलन करने के उद्देश्य से निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रश्न पूछे। बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए उत्तर दिए, जिससे उनके सामान्य ज्ञान एवं जागरूकता का स्तर परखा गया। इस अवसर पर उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के महत्व एवं नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही श्री सिंह ने बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नियमित अध्ययन , समय प्रबंधन, समसामयिक घटनाओं की जानकारी एवं आत्मविश्वास के महत्व पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रेरित करना एवं उन्हें भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करना रहा। सशक्त वाहनी के माध्यम से बालिकाओं को निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनमें आत्मविश्वास एवं जागरूकता का विकास हो रहा है।

विदिशा में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं, पर्याप्त भंडारण उपलब्ध – पेट्रोलियम एसोसिएशन

विदिशा,(निप्र)। विदिशा जिले में पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडारण उपलब्ध है तथा आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से जारी है। जिला पेट्रोलियम एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों या भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें। जिला पेट्रोलियम एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री पंकज एलिया सहित अन्य सदस्यों श्री अनिल सोनकर, श्री सचिन ताम्रकार ने कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता से सौजन्य मुलाकात कर जिले में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता को लेकर किए गए प्रशासनिक प्रबंधनों के लिए आभार व्यक्त किया। मुलाकात के दौरान श्री पंकज एलिया ने बताया कि विदिशा जिले में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है और आम नागरिकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर नियमित रूप से आपूर्ति हो रही है, जिससे ईंधन की उपलब्धता पूरी तरह सुनिश्चित है। उन्होंने जिले के नागरिकों से आग्रह किया कि वे बिना आवश्यकता के पेट्रोल-डीजल का भंडारण करने से बचें तथा सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैल रही भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। जिला पेट्रोलियम एसोसिएशन ने कहा कि जिला प्रशासन के समन्वय और व्यवस्थाओं के कारण पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति सुचारु बनी हुई है।

सशक्त वाहनी अभियान से बालिकाओं को नई दिशा, प्रशुक्षिक डिप्टी कलेक्टर ने दिया मार्गदर्शन

विदिशा,(निप्र)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित सशक्त वाहनी अभियान के माध्यम से जिले की बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में संचालित इस पहल के तहत प्रशिक्षु डिप्टीकलेक्टर श्री अनिल कछवारे ने बालिकाओं को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर श्री कछवारे ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास, अनुशासन और सही दिशा में की गई मेहनत अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सशक्त वाहनी अभियान का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाना एवं उन्हें विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। अभियान के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित रूप से मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, साथ ही बालिकाओं को निःशुल्क अध्ययन सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं के स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

प्रथम चरण के बाद द्वितीय चरण के सर्वाइकल कैंसर रोधी टीके प्राथमिकता से लगाए जाएं : कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी

03 से 06 वर्ष के बच्चे पोषण टेकर एप में दर्ज किए जाएं खरीदी केंद्रो में किसानों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए कमिश्नर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी कलेक्टर्स को दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में संभाग के नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल के कलेक्टर को निर्देश दिए कि 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए प्रथम चरण के सर्वाइकल कैंसर रोधी टीके लगाए गए थे, अब उनकी अवधि पूर्ण होने पर उन सभी बालिकाओं को दितीय चरण के सर्वाइकल कैंसर रौंदी एचपीवी वैक्सीन भी प्राथमिकता से लगाई जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सर्वाइकल कैंसर रौधी टीके प्राथमिकता से लगाए जाए क्योंकि अब शासन स्वयं एचपीवी वैक्सीन एवं अन्य व्यवस्थाएं मुहैया करा रही है। उन्होंने शासन द्वारा सभी जिलों को दिए गए टीकाकरण लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति करने के निर्देश दिए। बताया गया की अब तक नर्मदापुरम जिले में 1227 बैतूल में 2319 एवं हरदा जिले में 591 एचपीवी वैक्सीन अब तक बालिकाओं को लगाए गए हैं। कमिश्नर श्री तिवारी ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में दर्ज 03 से 06 आयु वर्ग के सभी बच्चों को पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोषण टेकर ऐप से कोई भी बच्चा दर्ज होने से वंचित न रहे। बताया गया कि अब तक नर्मदापुरम जिले में 56% हरदा में 63% और बैतूल में 54% बच्चों को पोषण ट्रैकर एप में दर्ज किया गया है। कमिश्नर ने कहा कि सभी बच्चों की माह में कम से कम 21 दिन आंगनवाड़ी में दर्ज सभी बच्चों की आंगनवाड़ी में नियमित उपस्थिति में सुनिश्चित की जाए। आंगनबाड़ी केंद्र भी माह में कम से कम 25 दिन अनिवार्य रूप से खुली रहे। कमिश्नर ने धान मिलिंग एवं आगामी चना मसूर उपार्जन तथा भावांतर योजना अंतर्गत सरसों के लिए कृषकों के पंजीयन तथा गेहूं उपार्जन के सत्यापन एवं अन्य तैयारियां की प्रगति की स्थिति की समीक्षा की। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी गेहूं खरीदी केन्द्रों में कृषकों को मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी पात्र हितग्राहियों को माह मार्च एवं अप्रैल का राशन एक साथ वितरण करना भी सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की ईरान इजरायल युद्ध के चलते जिले में एलपीजी का संकट उत्पन्न ना होने पाए। सभी कलेक्टर सतर्क निगरानी रखते हुए सभी उपभोक्ताओं को एलपीजी गैस प्राथमिकता से उपलब्ध कराए। किसी भी स्थिति में जिले में पेनिक की स्थिति ना रहे। कमिश्नर ने उद्यानिकी विभाग की पीएफएमई योजना अंतर्गत नर्मदापुरम एवं बैतुल जिले द्वारा इस सप्ताह किए गए प्रोग्रेस की सराहना की और कहां की 31 मार्च तक दिए गए सभी लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि बैंक में प्राथमिकता से स्वरोजगार के लिए ऋण राशि के प्रकरण लगाए जाएं एवं सभी प्रकरणों को स्वीकृत कराते हुए प्रकरणों का वितरण भी शत प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने टंट्या मामा योजना, संत रविदास योजना, भगवान बिरसा मुंडा योजना में भी हितग्राहियों को लाभान्वित करते हुए उल्लेखनीय प्रगति लाने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर कामधेनु(पशुधन) योजना अंतर्गत अब तक हुई प्रगति पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए निर्देश दिए की 31 मार्च तक शासन द्वारा दिए गए सभी लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत नर्मदापुरम, हरदा एवं बैतूल जिले में हर घर नल कनेक्शन के कार्य की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की एवं अब तक हुई प्रगति एवं कार्य की धीमी गति पर सख्त नाराजगी जाहिर की। बताया गया कि इस सप्ताह नर्मदापुरम में 397 बैतूल में 527 नल कनेक्शन लगाए गए हैं। इस प्रगति पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कमिश्नर ने नर्मदापुरम एवं बैतूल के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सख्त हिदायत दी की वे जल जीवन मिशन के कार्य में और तेज गति से कार्य करते हुए शेष बचे नल कनेक्शन के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करें। कमिश्नर ने कहा कि जो जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण हो चुके हैं उन्हें समारोह पूर्वक ग्राम पंचायत को हैंडओवर किया जाए। हैंडोवर से पहले नल जल योजना की 90 दिन की टेस्टिंग अनिवार्य रूप से की जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने विक्रम महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाले सूर्य उपासना कार्यक्रम के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि 19 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से सूर्य उपासना के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नर्मदापुरम में किसानों की बदलती सोच

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में नरवाई (फसल अवशेष) के उचित प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें नरवाई प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है। जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी लगातार फील्ड में सक्रिय रहकर किसानों से सीधे संवाद कर रहे हैं और उन्हें नरवाई नहीं जलाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी क्रम में अनुविभाग सिवनी मालवा के एसडीएम श्री विजय राय द्वारा ग्राम पंचायत तिनसियाई के ग्राम बेराखेड़ी क्षेत्र का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान कृषक श्री पूरन सिंह के 12 एकड़ खेत में हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद तत्काल भूसा मशीन के माध्यम से नरवाई का प्रबंधन कराया गया। इसी प्रकार ग्राम भरलाय में भी फसल कटाई के पश्चात नरवाई का समुचित प्रबंधन कर खेत को अगली फसल के लिए तैयार किया गया।

जिला प्रशासन द्वारा समस्त किसान बंधुओं से अपील की गई है कि फसल कटाई के बाद अवशेषों को जलाने के बजाय उनका उचित प्रबंधन करें। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी, बल्कि मृदा की उर्वरक क्षमता भी बनी रहेगी तथा लाभकारी कीटों का संरक्षण भी संभव होगा।

किसान फलदार बगीचा व उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती अपनाकर बढ़ाएं आमदनी: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

दो दिवसीय उद्यानिकी कृषक सेमीनार एवं प्रदर्शनी का समापन

रायसेन (निप्र)। जिले में कृषि विज्ञान केन्द्र नकतरा में उद्यानिकी विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक सेमीनार एवं प्रदर्शनी का बुधवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा, जनपद सदस्य श्री देवेन्द्र कुशवाह तथा अन्य जनप्रतिनिधि और उद्यानिकी तथा कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जिले में परम्परागत फसलों धान-गेहूं की खेती बहुतायत में की जा रही है, जिसमें अधिक लागत आती है और मुनाफा काफी कम होता है!

जबकि उद्यानिकी फसलें अदरक, हल्दी, धनिया, लहसुन में उत्पादन अधिक होने से मुनाफा लगभग 1 से 1.5 लाख रूपए प्रति एकड़ तक होता है। इसी तरह फलदार बगीचा आम, अमरूद, चीकू, सीताफल आदि से भी प्रति एकड़ मुनाफा अधिक होता है। किसान भाई खाद्य फसलों के साथ-साथ फलदार बगीचा व उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती करके अपनी आमदनी में वृद्धि कर सकते हैं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने किसानों से नरवाई नहीं जलाने का आव्हान करते हुए कहा कि नरवाई में आग नहीं लगाकर स्ट्रॉ रीपर मशीन का उपयोग कर भूसा बनाएं। इसके अतिरिक्त रोटावेटर का उपयोग कर नरवाई को मिट्टी में मिलाने से यह मिट्टी की उत्पादकता को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से मिट्टी के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है तथा कई बार नरवाई की आग गंभीर दुर्घटनाओं का कारण भी बनती है। जिला स्तरीय कृषक सेमीनार एवं प्रदर्शनी के अंतिम दिवस कृषक सुदीप चौरसिया द्वारा केंचुआ खाद उत्पादन पर, कृषक रणधीर पुनिया द्वारा जैविक तरीके से टमाटर उत्पादन पर, कृषक झलकन शाक्या द्वारा फलदार बगीचा व प्राकृतिक खेती, कृषक पर्वत कुशवाह द्वारा लो कॉस्ट शेड नेट हाउस पर खीरा उत्पादन पर विस्तारपूर्वक अनुभव साझा किये। सहायक संचालक उद्यानिकी श्रीमती नीलम पाटिल ने उद्यानिकी के क्षेत्र में सघन बागवानी, संरक्षित खेती, ड्रिप, मल्चिंग तकनीक, प्रो-ट्रे तकनीक, जरबेरा व गुलाब उत्पादन सम्बन्धी तकनीकी जानकारी कृषकों को दी।

कलेक्टर ने किया किसानों द्वारा की जा रही जैविक खेती का निरीक्षण

जैविक खेती को और अधिक विस्तार देने के लिए किसानों को किया प्रोत्साहित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने इछावर तहसील के ग्राम ग्राम नरसिंहखेड़ा एवं सेवनिया में किसानों द्वारा की जा रही है जैविक खेती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जैविक खेती कर रहे किसानों से संवाद किया और किसानों द्वारा उत्पादित किए जा रहे जैविक उत्पादों के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने किसानों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें जैविक खेती को और अधिक विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने निरीक्षण के दौरान कृषि विभाग की रेनफेड एरिया डेवलपमेंट योजना अंतर्गत स्थापित साइलोपिट एवं वर्मी कम्पोस्ट यूनिट का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन इकाइयों के प्रभावी संचालन करने और अन्य किसानों को भी इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों को नरवाई नही जलाने के लिए प्रेरित किया और नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नरवाई जलाने से पर्यावरण को हानि होती है एवं मृदा की उर्वरता प्रभावित होती है, इसलिए इसके वैज्ञानिक प्रबंधन को अपनाना आवश्यक है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने पटवारियों को निर्देश दिए कि वे हार्वेस्टर का उपयोग करने वाले किसानों की सूची तैयार रखें और उन किसानों की भी पहचान करें जिनके खेतों में आग लगने की संभावना अधिक है। ऐसे किसानों को विशेष रूप से जागरूक किया जाए ताकि वे नरवाई न जलाएं। उन्होंने नरवाई जलाने की घटनाओं की रोकथाम के लिए कृषि विस्तार अधिकारियों एवं पटवारियों को समन्वय स्थापित कर सतत निगरानी बनाए रखने एवं किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। इस दौरान कृषि विभाग के उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने भी किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए विभागीय योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा, उपसंचालक श्री अशोक उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी और किसान उपस्थित थे।

रायसेन में अप्रैल में आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा रायसेन में 11, 12 तथा 13 अप्रैल को दशहरा मैदान रायसेन में आयोजित होने वाले कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण के सफल और सुचारू आयोजन हेतु तैयारियों के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि सभी तैयारियां पर्याप्त समय पहले पूर्ण कर ली जाएं। बैठक में कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण में अतिथियों तथा किसानों के आगमन, बैठक व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, विभिन्न विभागों और प्रगतिशील किसानों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉल, उन्नति कृषि उपज और यंत्रों की प्रदर्शनी सहित अन्य तैयारियों के बारे में चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश कुमार सहित कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण विषय पर संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

महिला अधिकार सुरक्षा स्वालंबन जागरूकता हेतु विषय विशेषज्ञ द्वारा दी गई विस्तृत जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति अंतर्गत हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की संभागीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना सिवनी मालवा द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय में किया गया। कार्यशाला में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न निवारण निषेध एवं रोकथाम दहेज प्रथा उन्मूलन, घरेलू हिंसा रोकथाम अधिनियम, पोर्श एक्ट जैसे विषयों पर जेंडर संवेदीकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त संचालक नर्मदापुरम श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जेंडर संवेदीकरण हेतु यह आयोजन किया गया।

कार्यशाला में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिला समावेशित के प्रति जागरूकता बढ़ाने व्यवहार को बदलने की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में वन स्टॉप प्रशासक श्रीमती प्रतिभा वाजपेयी द्वारा एक छत के नीचे पीड़ित महिलाओं को मिलने वाली चिकित्सा की विधि एवं कानूनी सहायता के बारे में अवगत कराया, उन्होंने बताया कि जिले में किसी क्षेत्र में महिला परेशान होती है अथवा प्रताड़ित की जाती है, तो उसे वन स्टॉप सेंटर में संरक्षण दिया जाता है यह 24 घंटे प्रदाय की जाने वाली सुविधा है एवं महिला हेल्पलाइन नंबर 181 के बारे में जानकारी दी। बाल संरक्षण अधिकारी श्री आशु पटेल द्वारा पोर्श एक्ट एवं कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के संबंध में जानकारी दी गई। अनुविभागीय अधिकारी सिवनी मालवा श्री विजय राय द्वारा उपस्थित बालिकाओं एवं महिलाओं से दो तरफ संवाद कर महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ समझाया एवं उपस्थित प्रतिभागियों को यह बताया कि महिला शारीरिक मानसिक और आर्थिक तीनों रूप से सशक्त होना चाहिए। सहायक संचालक श्री संजय जैन द्वारा बताया कि रिग वैदिक काल से ही महिलाएं सशक्त रही है कालांतर में इसका रूप परिवर्तित हो गया वर्तमान में महिलाओं का शिक्षा का स्तर बढ़ चुका है अन्य क्षेत्रों में भी इसे व्यापक करना आवश्यक है। संयुक्त संचालक श्रीमती तृप्ति त्रिपाठी द्वारा जेंडर संवेदीकरण पर चर्चा की गई की जन्म से ही बालक एवं बालिका की परवरिश एक समान की जानी चाहिए, कार्यों का विभाजन अलग-अलग नहीं किया जाना चाहिए घर के एवं बाहर के समस्त कार्य महिला एवं पुरुष दोनों करने में सक्षम है। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री अंजलि अग्रवाल द्वारा महिलाओं के भरण पोषण की धारा 125 परिवर्तित 144 के बारे में जानकारी दी गई उनके द्वारा घरेलू हिंसा अधिनियम 2006 तथा कार्यस्थल पर लैंगिक यौन उत्पीड़न हेतु बनी आंतरिक परिवार समिति के विषय में जानकारी दी उनके द्वारा महिलाओं को एवं बालिकाओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप इंस्टाग्राम फेसबुक ट्विटर एवं अन्य जगह पर अपनी निजी जानकारी का सतर्कता पूर्वक इस्तेमाल करने की सलाह दी गई। पुलिस विभाग से सहायक सब इंस्पेक्टर सुरेश पांडे द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के बढ़ते साइबर क्राइम पर चर्चा की एवं प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन डेस्क के बारे में अवगत कराया। शासकीय कन्या महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर श्री रजनीश जाटव द्वारा महिलाओं के शिक्षा पर जागरूकता के संबंध में चर्चा की। संभागीय कार्यालय से पर्यवेक्षक श्रीमती रश्मि वर्मा उपस्थिति रही।

पार्श्व गायक विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ भव्य आयोजन

भोपाल (नप्र)। विक्रमोत्सव-2026-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्ष प्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत् 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुर्नस्थापना का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने

वाला है। उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5 हजार एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना से धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप दुनिया के सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, से पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी से आकाश को भर दिया रोशनी और रंगों से: कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी रही, जिसने शिप्रा तट के आकाश को रोशनी और रंगों से भर दिया। ड्रोन-शो के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह अभिभूत हो उठा।

विभिन्न साहित्य का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ का विक्रम पंचांग 2083, संस्कृति संचालनालय का कला पंचांग, बिमल कृष्ण दास की 84 महादेव, रामस्वरूप दास की ओरछाधीश, वीर भारत न्यास के महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धनवंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि के भारत निधि मोनोग्राफ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की अष्टावक्र गीता, नारद गीता, ब्राह्मण गीता, गर्भ गीता, उत्तर गीता का विमोचन किया।

विक्रमोत्सव अंतर्गत आयोजित सृष्टि आरम्भ उत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ संगीत, संस्कृति और तकनीक के संगम के रूप में उज्जैन को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्रदान की। सृष्टि आरम्भ उत्सव ने उज्जैन की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आस्था और आधुनिक आयोजन क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज,विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा,महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, विक्रमादित्य शोधपीठ निदेशक डॉ. श्रीराम तिवारी, श्री संजय अग्रवाल, श्री राजेश धाकड़, श्री राजेश कुशवाह, श्री नरेश शर्मा, श्री राजेंद्र भारती और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

'बाथरूम से आ रही हूं', घर का 'खजाना' लेकर रात एक बजे हो गई दुल्हन गायब

हाथ मलता रह गया दूल्हा

टीकमगढ़ (नप्र)। जिले के पलेरा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक-1 में शादी के कुछ दिनों बाद ससुराल से एक दुल्हन भाग गई है। वह सोने-चांदी के गहने के साथ अन्य कीमती सामानों को लेकर गई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुछ दिन पहले हुई थी शादी- जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक-1 निवासी पुरुषोत्तम जायसवाल (26) की शादी सासाराम निवासी संध्या कुमारी (21) से कुछ दिन पहले ही संपन्न हुई थी। पीड़ित के मुताबिक, रात करीब 1 बजे दुल्हन ने बाथरूम जाने की बात कहकर कमरे से बाहर निकली, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। जब परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने घर के आसपास तलाश शुरू की। लेकिन दुल्हन का पता नहीं चला। इसके बाद मामला साफ हुआ कि दुल्हन घर से फरार हो चुकी है।

मंगलसूत्र समेत अन्य गहने ले गए- पीड़ित परिवार का आरोप है कि दुल्हन अपने साथ मंगलसूत्र, चांदी की पायल, नाक-कान के सोने के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान भी ले गई है। इतना ही नहीं, घर में रखी मोटरसाइकिल की चाबी भी अपने साथ ले जाने की बात सामने आई है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि घटना पूरी योजना के तहत अंजाम दी गई है।

शादी के लिए दो लाख रुपए- पुरुषोत्तम जायसवाल ने यह भी आरोप लगाया है कि इस विवाह को कराने वाले बिचौलियों ने शादी के एवज में करीब 2 लाख रुपए लिए थे। अब घटना के बाद बिचौलियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। पीड़ित ने पूरे मामले की लिखित शिकायत पलेरा थाने में दर्ज कराई है।

दुल्हन की तलाश कर रही पुलिस- घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। थाना पलेरा पुलिस का कहना है कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फरार दुल्हन और संबंधित बिचौलियों की तलाश के लिए टीम गठित की गई है। गौरतलब है कि बुंदेलखंड क्षेत्र में लगातार गिरते लिंगानुपात के चलते बाहरी राज्यों से विवाह कराने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ऐसे मामलों में कई बार धोखाधड़ी और ठगी की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी हुई है और जल्द ही मामले के खुलासे की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रदेश के 42 जिलों में बारिश, 13 में ओले गिरे

कई जगह फसलें बर्बाद, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बदला मौसम

भोपाल (नप्र)। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी था, जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ा डोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा। इधर, 13 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। शिवपुरी,आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

आगर में 74 किमी की रफ्तार से चली हवा

तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। आगर-मालवा में सबसे तेज 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली, जबकि सीहोर में 54 किमी, बड़वानी और नरसिंहपुर में 46 किमी, आलीराजपुर में 43 किमी की रफ्तार दर्ज की गई। भोपाल, सागर, इंदौर और जबलपुर समेत कई शहरों में 35 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

चेतीचांद-ईद की नमाज के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश बंद, बदला रहेगा ट्रैफिक

भोपाल (नप्र)। भोपाल में चेतीचांद के मौके पर निकलने वाले चल समारोह और शनिवार को ईद-उल-फितर पर नमाज के लिए ईदगाह और अन्य मस्जिदों में जाने वालों को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने विभिन्न मार्गों का ट्रैफिक डायवर्ट किया है।

ईद-उल-फितर के मौके पर बड़ी संख्या में मुस्लिम विशेष नमाज अदा करने दोपहिया और चारपहिया वाहनों से ईदगाह पहुंचेंगे। इस दौरान ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचने और दूसरे वाहन चालकों को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन की व्यवस्था की है।

शनिवार सुबह 6 बजे से ऐसी रहेगी व्यवस्था- पैदल और वाहनों से नमाज अदा करने वाले धार्मिक अनुयायी भोपाल गेट से तरुण पुष्कर होकर ईदगाह, गोलघर से परी बाजार होकर ईदगाह, व्हीआईपी गेस्ट हॉउस व टीबी अस्पताल होकर ईदगाह आ-जा सकेंगे।

इसके अलावा जिन लोगों को नमाज अदा नहीं करनी है या ईदगाह के आसपास की कॉलोनियों में जाना हो, वे नजदीकी गलियों से आना-जाना करेंगे। इसी प्रकार ताजुल मसाजिद, मोती मस्जिद व जामा मस्जिद पर भी नमाज अदा की जाएगी।

यात्री बस व अन्य यात्री वाहनों का मार्ग- इंदौर- उज्जैन की तरफ से आने-जाने वाली बसें लालघाटी से नादरा बस स्टैंड की ओर न आते हुए हलालपुर बस स्टैंड तक आवागमन कर सकेंगी।

राजगढ़ ब्यावरा की ओर से आने-जाने वाली बसें लालघाटी से नादरा बस स्टैंड की ओर न आते हुए हलालपुर बस स्टैंड तक आवागमन कर सकेंगी। रेतघाट से मोती मस्जिद, सदर मंजिल, रायल मार्केट की ओर बीसीएलएल की बसें और आम यातायात का आवागमन व्हीआईपी रोड से हो सकेगा। इसी प्रकार लालघाटी कोहेफिजा से इमामी गेट, पीरगेट की ओर बीसीएलएल की बसें और आम यातायात का आवागमन व्हीआईपी रोड से हो सकेगा। लालघाटी से रायल मार्केट की ओरद्ध रॉयल मार्केट से मोती मस्जिद की ओर, रॉयल मार्केट से तीन मोहरा, नादारा बस स्टैंड की ओर बीसीएलएलए मध्यम और बड़ी बसों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। नादरा बस स्टैंड से लालघाटी की ओर जाने वाली बसें जेपी नगर तिराहे से बेस्ट प्राइज करोंद होकर आवागमन कर सकेंगी। सभी प्रकार के लोक परिवहन, मालवाहक, भारी, व्यावसायिक और अनुमति प्राप्त वाहनों का ईदगाह की ओर आने वाले मार्गो पर उपरोक्त समय में आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा।

इन रूट्स पर रहेगा डायवर्जन

यातायात पुलिस के अनुसार शाम 4 बजे से लालघाटी चौराहे से खजूरी बायपास और सीहोर की ओर जाने वाले वाहनों को बैरागढ़ की ओर डायवर्ट किया जाएगा। ये वाहन नरसिंहगढ़ तिराहा, गांधीनगर तिराहा और मुबारकपुर बायपास होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। इसी तरह इंदौर और सीहोर से लालघाटी आने वाले वाहनों को खजूरी बायपास से मुबारकपुर, एयरोसिटी, गांधी नगर और नरसिंहगढ़ तिराहा होते हुए निकाला जाएगा।

स्थानीय ग्रामीणों के लिए विशेष व्यवस्था

बैरागढ़ के आसपास के गांवों से आने-जाने वाले वाहन भोरी जोड़ से मुबारकपुर और गांधी नगर मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें। किसी भी समस्या की स्थिति में नागरिक ट्रैफिक कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 0755-2677340, 2443850 या मोबाइल नंबर 7587602055 पर संपर्क कर सकते हैं।

बैरागढ़ में निकलेगी भगवान झूलेलाल की शोभायात्रा चेतीचांद के पावन अवसर पर सिंधी समाज की ओर से शुक्रवार शाम बैरागढ़ क्षेत्र में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। यातायात दबाव और बैरागढ़ ब्रिज निर्माण कार्य को देखते हुए नगरीय यातायात पुलिस ने दोपहर बाद से ही वैकल्पिक ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। शोभायात्रा शाम 5 बजे सिंधु भवन बैरागढ़ से शुरू होकर मिनी मार्केट, बड़ौदा बैंक, अशोक डेयरी, थाना बैरागढ़ चौराहा, चंचल चौराहा और काली मंदिर चौराहा होते हुए पुनः सिंधु भवन पर समाप्त होगी। इस दौरान लालघाटी और आसपास के क्षेत्रों में यातायात का दबाव अधिक रहने की संभावना है।

अलविदा जुमा पर इबादत में डूबा शहर

मस्जिदों में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, रमजान के आखिरी शुक्रवार पर हुई विशेष नमाज अदा

भोपाल (नप्र)। रमजान महीने के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमा पर राजधानी इबादत के रंग में रंगी नजर आई। सुबह से ही मस्जिदों के बाहर नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी और दोपहर तक शहर की प्रमुख मस्जिदों में जगह कम पड़ गई। शहर की ऐतिहासिक ताज-उल-मसाजिद और मोती मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलविदा जुमा की नमाज अदा की। नमाज के दौरान मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। अलविदा जुमा को रमजान की विदाई का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। धर्मगुरुओं ने तकरीर में कहा कि रमजान सिर्फ एक महीना नहीं, बल्कि जिंदगी को बेहतर बनाने का संदेश देता है। रोजा, सब्र, संयम और नेक कामों की आदत को पूरे साल जारी रखना ही इसकी असली सीख है।

बड़वानी जिला जज को तमिल भाषा में मिला मेल कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी, हड़कंप

बड़वानी (नप्र)। मध्य प्रदेश में इन दिनों बम धमकियों की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय बड़वानी में उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब ईमेल के जरिए बम होने की धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। जिला जज को तमिल भाषा में अज्ञात आईडी से मेल भेजा गया था। एसपी को करीब 12 बजे इसकी सूचना दी गई थी।

सूचना मिलते ही न्यायालय परिसर से करीब 150 मीटर दूर स्थित कोतवाली थाना बड़वानी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और सुरक्षा की दृष्टि से पूरे न्यायालय परिसर को खाली कराया गया। कोर्ट परिसर में मौजूद सभी कोर्ट रूम, अधिवक्ता चैंबर और आसपास की दुकानों को एहतियातन बंद करवा दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पदम विलोचन शुक्ला, धीरज बब्बर, बलजीत सिंह बिसेन सहित अन्य

प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तत्काल डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया, वहीं खरगोन से बम डिस्पोजल स्क्वॉड को भी अलर्ट कर रवाना किया गया है। फिलहाल एहतियात के तौर पर न्यायालय से जुड़े संपर्क मार्गों पर यातायात को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया गया है और पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में मध्य प्रदेश के अन्य शहरों में भी इस तरह की धमकियों के मामले सामने आ चुके हैं। राजधानी भोपाल में जिला कोर्ट, पासपोर्ट कार्यालय और शैक्षणिक संस्थानों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जो जांच में फर्जी निकली। इसी तरह इंदौर में संभागायुक्त कार्यालय को भी धमकी भरा मेल मिला था।

चेटीचंड पर्व अखंड भारत की याद दिलाकर भारतीयों के हृदय में जागृत रखता है अखंड भारत का सपना : मुख्यमंत्री

बाबा श्री महाकाल की नगरी से देश, प्रदेशवासियों को दी महापर्व की मंगलकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चेटीचंड का पर्व अखंड भारत की याद दिलाता है और भारतीयों के हृदय में अखंड भारत का सपना जागृत रखता है। सामाजिक उत्सवों से एक दूसरे के प्रति प्रेम और आत्मीयता बढ़ती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य को उनकी वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता के लिए याद किया उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य से प्रेरित होकर शासन उन गुणों को आत्मसात कर सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के टावर चौक पर चेटीचंड महापर्व पर आयोजित सिंधी समाज के चल समरोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम संवत् 2083 में बाबा श्री महाकाल

की नगरी से देश एवं प्रदेशवासियों को चेटीचंड के महापर्व की मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश, प्रदेश विकास के नवीन आयाम स्थापित कर रहा है। सिंहस्थ 2028 के लिए सरकार नवीन विकास के कार्य कर रही है। सभी गणमान्य नागरिक भी विकास कार्यों में अपना योगदान दे रहे है। आगामी सिंहस्थ के दिव्य आयोजन से प्रदेश और उज्जैन की वैश्विक पटल पर नवीन पहचान स्थापित होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवा ध्वज लहराकर चल समारोह का शुभारंभ किया। रैली में विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद और एक्ट्रेस सुश्री जयाप्रदा, मशहूर एक्टर श्री आफताब शिवदासानी, तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम गोली उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर श्री मुकेश टटवाल, श्री संजय अग्रवाल, श्री महेश पारियानी, डॉ. जितेंद्र जेठवानी और बड़ी संख्या में सिंधी समाजगण उपस्थित रहे।

'जजों के केबिन में हैं 15 जहरीली गैस के बम', दोपहर में सबको उड़ा देंगे, सतना और मैहर कोर्ट में मेल से आई धमकी

सतना (नप्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिला न्यायालय को शुक्रवार सुबह एक सनसनीखेज धमकी भरा ईमेल मिला, जिसने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। Gayathri_shabaz@hotmail.com` नाम की आईडी से आए इस मेल में दावा किया गया कि कोर्ट परिसर और जजों के केबिन में 15 जहरीली गैस के बम लगाए गए हैं, जिनमें दोपहर 1 बजे विस्फोट होगा।

मेल से आई है धमकी- जानकारी के अनुसार, यह मेल गुरुवार शाम को ही अदालत की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हो गया था, लेकिन शुक्रवार सुबह जब इसे देखा गया तो न्यायपालिका और प्रशासन में खलबली मच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तुरंत सतना कलेक्टर और एसपी को मोर्चा संभालने के निर्देश दिए।

छावनी में तब्दील हुआ कोर्ट परिसर- धमकी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बल एक्शन मोड में आ गए। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने कोर्ट के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। सतना के साथ-साथ मैहर, अमरपाटन और अन्य तहसील न्यायालयों में भी एहतियातन सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जजों के कार्यालयों से लेकर पार्किंग और कैंटीन तक, हर संदिग्ध वस्तु की जांच की गई।